RNI:
UPHIN/2015/60902

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 186
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, गुरुवार, 26 अक्टूबर, 2023

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

पातालकोट एक्सप्रेस में आग

तेज धमाका और आग का गोला बना कोच

हादसा

कूदकर बचाई जान%; यात्रियों ने बयां की आपबीती

एजेंसी

आगरा। आगरा झांसी रेलवे ट्रैक स्थित भांडई रेलवे स्टेशन के नजदीक बुधवार दोपहर करीब 3-30 बजे गाड़ी नंबर 14624 पातालकोट एक्सप्रेस की दो जनरल बोगियों में अचानक आग लग गई। एक्सप्रेस फिरोजपुर पंजाब से छिंदवाड़ा होकर सिवनी जा रही थी। इसी बीच ट्रेन की दो बगियां जलकर खाक हो गईं। इस हादसे में करीब 20 लोग झुलस गए हैं और कुछ लोग भगदड़ में घायल हो गए। इस हादसे के बाद यात्रियों में दहशत थी। ट्रेन में जो कुछ हुआ वो मंजर देख उनके पैर कांप रहे थे। ट्रेन में सफर कर रहा हाथरस निवासी मुकेश राजपूत ने बताया कि वह बोगी में बैठकर मोबाइल देख रहा था। मेरे साथ भाई मनवीर सिंह और कृष्णकांत राजपूत भी साथ था। हम तीनों मथुरा से इटारसी जा रहे थे। इसी बीच तेज आवाज के साथ धमाका हुआ। देखा तो बोगी में आग लग गई है। ये देख सभी घबरा गए। समय रहते ट्रेन रुक गई, जिससे नीचे उतर आए नहीं तो एक भी नहीं बचता।

चेन खींचकर रोकी ट्रेन, झटपट उतरे नीचे

ट्रेन के यात्री एकांश राठौर ने बताया कि धुआं और फिर आग की लपटें देखी। इससे महिला-बच्चे रोने लगे। ये देख तत्काल उन्होंने चेन खींचकर ट्रेन को रोका। इस बीच आसपास के खेतों में काम करने वाले लोग भी आ गए।

आग की लपटें देख खिड़कियों से कूद पड़े यात्री

शुरुआत में ट्रेन के इंजन के पीछे लगे दो जनरल बोगी से धुआं उठने लगा। इनमें 144 यात्री बैठे हुए थे। धुआं उठने के कुछ ही देर बाद लपटें उठने लगीं। ये देख यात्री चीखने-चिल्लाने लगे। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन रुकते ही यात्री बाहर निकलने के लिए दौड़े। गेट पर भीड़ जमा होने पर कई यात्री खिड़की से ही नीचे कूद गए।

ट्रेन में आग देख खेतों से दौड़े किसान

चलती ट्रेन में आग की लपटें उठते देख खेतों में काम करने वाले किसान भी बचाव के लिए ट्रेन की ओर दौड़े। थोड़ी दूर जब ट्रेन रुकी तो किसान जुट गए और मिट्टी, पानी से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। गांव कुठावली निवासी देशराज चाहर ने बताया कि वह खेतों पर कार्य कर रहे थे, ट्रेन से लपटें उठते और यात्रियों की चीखपुकार सुनकर आसपास के अन्य लोग बचाव के लिए भागे। खेतों से मिट्टी और पानी भरकर आग बुझाने की कोशिश की।

पातालकोट एक्सप्रेस में आग

ट्रेन हादसे के घायल स्पताल में चल रहा है इलाज

- सिद्धांत (18) पुत्र राजेश कुमार, निवासी भिंड
- हितेश (17) पुत्र मुरारीलाल निवासी भिंड
- गौरव कुमार (21) पुत्र अनिल कुमार निवासी गया बिहार
- विकास (17) पुत्र रामसिया निवासी भिंड
- प्रियरंजन कुमार (30) पुत्र शिवशंकर शर्मा निवासी जयपुर हाउस आगरा।
- गौरव कुमार (17) पुत्र राजेश निवासी भिंड।

प्रियंका गांधी के खिलाफ बीजेपी ने चुनाव आयोग में की शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आज हम चुनाव आयोग के सामने हैं, 20 अक्टूबर को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाषण के दौरान एक बयान दिया और आचार संहिता का उल्लंघन किया।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने आज चुनाव आयोग से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथित मंदिर दान पर उनके बयान के लिए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उनके बयानों को झूठा और असत्यापित बताया और कहा कि इन्हें माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने उन पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया। भाजपा ने एक बयान में कहा कि मोदी ने घोषणाओं से आठ महीने से अधिक समय पहले भीलवाड़ा जिले में एक मंदिर का दौरा किया था और अपनी भक्ति की अभिव्यक्ति के रूप में व्यक्तिगत प्रसाद चढ़ाया था। पार्टी ने कहा कि उनके चढ़ावे की मात्रा सार्वजनिक बहस का विषय नहीं है और इसका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आज हम चुनाव आयोग के सामने हैं, 20 अक्टूबर को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाषण के दौरान एक बयान दिया और आचार संहिता का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि हमने श्वष्टद्ब को अभ्यावेदन दिया है, क्या प्रियंका गांधी आचार संहिता से ऊपर हैं? धार्मिक भावनाओं से आप झूठ नहीं फैला सकते। धार्मिक भावनाओं से प्रचार भी नहीं किया जा सकता। भाजपा ने अपने निवेदन में कहा कि 20 अक्टूबर को दौसा में एक सार्वजनिक बैठक में वाड्रा ने कहा कि उन्होंने टीवी पर देखा कि जब एक मंदिर में मोदी द्वारा दिए गए दान का एक लिफाफा खोला गया, तो उसमें केवल 21 रुपये थे। भाजपा की शिकायत के अनुसार, उन्होंने कहा कि उन्होंने खबर देखी और उन्हें नहीं पता कि दावा सही है या नहीं।

राजस्थान में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, मेघवाल और पुरी ने कहा कि उन्होंने मौजूदा कानूनों के अनुसार एक "अपराध" किया है। मेघवाल ने कहा, क्या प्रियंका गांधी कानून से ऊपर हैं? क्या वह किसी कानून में विश्वास करती है? वह वैमनस्यता फैलाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर रही है। वह ऐसा नहीं कर सकतीं। मेघवाल ने कहा कि मोदी के चंदे से जुड़ा दावा झूठ है और मीडिया ने भी इसे प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने कहा, वह जनवरी में प्रधानमंत्री की मंदिर यात्रा के संबंध में अब भी झूठ दोहरा रही हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्रन को राहत, अदालत ने दी जमानत

एजेंसी

केरल। केरल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन को मंजेश्वरम चुनाव रिश्वत मामले में एक जिला अदालत ने बुधवार को जमानत दे दी। सुरेंद्रन के अलावा, मामले में पांच अन्य आरोपियों को जमानत दे दी। अदालत ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और अन्य को राहत देते हुए उनके द्वारा दायर आरोपमुक्ति याचिका पर सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रमुख के सुधाकरन ने दावा किया कि सुरेंद्रन को राहत दी गई थी क्योंकि अभियोजन पक्ष ने भाजपा और सीपीआई (एम) के बीच ÷भाई-भाई÷ रिश्ते के कारण उनकी जमानत का विरोध नहीं किया था। सुधाकरन ने कहा, अभियोजन पक्ष द्वारा मामले में आरोपियों की जमानत का विरोध नहीं करने से भाजपा और सीपीआई (एम) के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अभियोजन पक्ष केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजययान के स्पष्ट निर्देश के बिना ऐसा कोई रुख नहीं अपनाएगा।

क्या है मामला

केरल पुलिस की अपराध शाखा शाखा ने इस साल जनवरी में मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ आरोप पत्र दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक, 2021 के विधानसभा चुनावों में मंजेश्वरम सीट से चुनाव लड़ने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार को डराने-धमकाने के आरोपों का सामना कर रहे सुरेंद्रन पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप लगाया गया है, जो गैर-कानूनी है। केरल पुलिस ने जून 2021 में मंजेश्वरम विधानसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन वापस लेने के लिए एक अन्य उम्मीदवार को धमकी देने और रिश्वत देने के आरोप में सुरेंद्रन के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

तीस्ता सीतलवाड़ की याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई

सरकार और जांच अधिकारी को नोटिस जारी

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की याचिका को लेकर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में 2002 के दंगों के मामलों में कथित तौर पर फर्जी सबूत तैयार करने के लिए शहर की अपराध शाखा द्वारा उनके खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की गई है। जस्टिस जेसी दोशी की अदालत ने सीतलवाड़ की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान पीठ ने राज्य सरकार और जांच अधिकारी को नोटिस जारी किया। दोनों को जारी किए गए नोटिस पर 29 नवंबर तक जवाब दाखिल करना होगा। अदालत ने मामले में चल रही सुनवाई पर रोक लगाकर अंतरिम राहत देने की सीतलवाड़ की याचिका पर भी सरकार को नोटिस जारी किया। इस पर भी 29 नवंबर तक जवाब देना होगा। अदालत ने जांच अधिकारी को जांच में प्रगति के बारे में एक रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। साथ ही याचिकाकर्ता को एक हलफनामे के माध्यम से अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने की अनुमति दी। इससे पहले, सत्र अदालत ने इस मामले में सीतलवाड की आरोपमुक्ति याचिका खारिज कर दी थी। वहीं, इसके बाद वे गुजरात हाईकोर्ट पहुंची जहां से भी उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस साल जुलाई में उन्हें जमानत दे दी थी।

यह है पूरा मामला

बता दें कि सीतलवाड़ को पिछले साल 25 जून को गुजरात के पूर्व पुलिस महानिदेशक आरबी श्रीकुमार और पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट के साथ अहमदाबाद अपराध शाखा पुलिस द्वारा दर्ज अपराध में 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के संबंध में कथित तौर पर ÷निर्दोष लोगों÷ को फंसाने के लिए मनगढ़ंत सबूतों के इस्तेमाल करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। अहमदाबाद की एक सत्र अदालत ने 30 जुलाई, 2022 को मामले में सीतलवाड़ और श्रीकुमार की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था और कहा था कि उनकी रिहाई से गलत काम करने वालों को यह संदेश जाएगा कि कोई व्यक्ति बिना किसी दंड के आरोप लगा सकता है और बच सकता है। हाईकोर्ट ने तीन अगस्त, 2022 को सीतलवाड़ की जमानत याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया था और मामले की सुनवाई 19 सितंबर को तय की थी। इस बीच, उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिका पर विचार करने से इनकार करने के बाद उन्होंने अंतरिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट (एससी) का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल दो सितंबर को उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी और उनसे तब तक ट्रायल कोर्ट में अपना पासपोर्ट जमा करने को कहा था, जब तक गुजरात हाईकोर्ट उनकी नियमित जमानत याचिका पर फैसला नहीं कर देता। शीर्ष अदालत ने उनसे मामले की जांच में जांच एजेंसी के साथ सहयोग करने को भी कहा था। सीतलवाड तीन सितंबर को जेल से बाहर आई थीं। जकिया जाफरी मामले में शीर्ष अदालत के 24 जून के फैसले के कुछ दिनों बाद सीतलवाड़ और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बता दें कि 2002 के गुजरात दंगे उस साल 27 फरवरी को गोधरा स्टेशन के पास भीड़ द्वारा साबरमती एक्सप्रेस के एक कोच में आग लगाने से भड़के थे। इस घटना में 59 यात्री, जिनमें ज्यादातर अयोध्या से लौट रहे हिंदू कारसेवक थे, जलकर मर गए थे। पिछले महीने ट्रायल कोर्ट ने मामले में आरोपमुक्त करने की पूर्व डीजीपी श्रीकुमार की याचिका भी खारिज कर दी थी। श्रीकुमार गुजरात हाईकोर्ट द्वारा दिए गए मामले में अंतरिम जमानत पर बाहर हैं।

इंग्लैंड से मुकाबले के लिए लखनऊ पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 29 अक्तूबर को टीम इंडिया इंग्लैंड की टीम से भिड़ेगी। इसके लिए टीम बुधवार को लखनऊ पहुंच गई। लखनऊ एयरपोर्ट के टर्मिनल दो के निकासी द्वार से जैसे ही टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा बाहर निकले, सैकड़ों की संख्या में मौके पर मौजूद प्रशंसक झूम उठे। इसके बाद हरफनमौला रवींद्र जडेजा और फिर स्टार विराट कोहली को देखकर प्रशंसकों का उत्साह देखते ही बना। सभी अपने पसंदीदा खिलाड़ी से करीब से मिलने को बेताब दिखे। पर, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते दूरदर्शन ही हुए। करीब दस मिनट में टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी बस में बैठ गए। सबसे आगे बैठे कप्तान रोहित शर्मा...। टीम एयरपोर्ट से निकलकर सीधे होटल पहुंच गई।

आज से टीम इंडिया करेगी अभ्यास

इकाना स्टेडियम में विश्व विजेता इंग्लैंड के खिलाफ 29 अक्तूबर को होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले के लिए टीम इंडिया बृहस्पतिवार को अभ्यास शुरू करेगी। पहले दिन शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक का अभ्यास का कार्यक्रम तय है। जहां तक इंग्लैंड की टीम का सवाल है, तो उसे पहले 26 अक्तूबर को बंगलूरू के खिलाफ मैच खेलना है। इसके बाद टीम के खिलाड़ी 27 अक्तूबर को लखनऊ पहुंच जाएंगे। यहां टीम का 28 अक्तूबर को अभ्यास सत्र है।

हमास के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सुरंग नेटवर्क

इस्राइल के लिए कैसे चुनौती बनी ये चाल

एजेंसी

नई दिल्ली। हमास-इस्राइल के बीच भीषण लड़ाई जारी है। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की जान चली गई है। हालांकि, सब कुछ यहीं नहीं रुकने वाला नहीं है। जहां हमास बंधकों को छोड़ने के लिए इस्रराइल की ओर से हमले बंद करने की बात कर रहा है, वहीं इस्राइल हमास को तबाह करने के लिए जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है। इस्राइल कई दिनों से गाजा में घुसने की तैयारी में जुटा हुआ है। हालांकि, इसके सामने हमास द्वारा बनाई गई लंबी-लंबी सुरंगों की समस्या है। यही कारण है कि इस्राइली सेना गाजा में जमीनी हमले को बार-बार टाल रही है। आइये जानते हैं कि गाजा में जमीनी हमला क्यों नहीं कर पा रहा इस्राइल?

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सुरंग नेटवर्क संचालित करता है हमास

7 अक्तूबर को हमला कर आतंकी संगठन हमास ने इस्राइल को भारी नुकसान पहुंचाया। इसने इस्राइल में घुसकर कत्लेआम मचाया और 220 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया। तब से इस्राइल ने हमास को जड़ से खत्म करने का एलान कर दिया। इसी कड़ी में इस्राइली सेना हमास के गाजा पट्टी स्थित अड्डों को नष्ट करने के लिए जमीनी हमला करने की तैयारी में है। हालांकि, सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गाजा पट्टी पर जमीनी आक्रमण होता है तो हमास द्वारा बनाई गई सुरंगों का जाल आईडीएफ के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकता है। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उत्तर कोरिया के बाद हमास दुनिया का सबसे बड़ा सुरंग नेटवर्क संचालित करता है। इसके नेटवर्क में 1,300 सुरंगें शामिल हैं, जो कुल मिलाकर लगभग 500 किलोमीटर तक फैली हुई हैं। इनमें से कुछ सुरंगें 70 मीटर भूमिगत तक स्थित हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनमें से ज्यादातर सुरंगें महज दो मीटर ऊंची और दो मीटर चौड़ी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हो सकता है कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को इन सुरंगों के भीतर रखा गया हो, जिनका उपयोग संभवतः हथियारों, भोजन, पानी और ईंधन के भंडारण स्थानों के रूप में किया जाता है। पहले हमास के सुरंग नेटवर्क की जांच करने वाले शोधकर्ताओं का मानना है कि संगठन के कुछ कमांडर इन सुरंगों के भीतर तैनात हैं।

क्या सुरंगों को नष्ट करने में कोई तकनीक नहीं है?

रैंड कॉर्पोरेशन के शोधकर्ताओं के अनुसार, इस्राइल ने अतीत में इन सुरंगों को बंद करने के लिए %सटीक-निर्देशित युद्ध सामग्री% का उपयोग किया था, लेकिन तकनीक ज्यादा सफल नहीं थी। शोधकर्ताओं ने कहा कि सुरंगों के भीतर लड़ना चुनौतीपूर्ण है क्योंकि वे बहुत अंधेरे और ठंडे हैं, बंदूक की गोलीबारी से और भी बदतर हो जाते हैं, जबकि अंदर हथियारों का उपयोग करने से धूल उड़ती है और यह बहुत खतरनाक हो सकता है। इन जोखिमों के कारण आईडीएफ सैनिकों को पहले केवल विशेष टीमों द्वारा सुरक्षित किए जाने के बाद ही सुरंगों में प्रवेश करने की अनुमति थी। 2014 के बाद से आईडीएफ ने इन सुरंगों के लिए विशेष लड़ाकू इकाइयों को तैनात किया है। इसने बनावटी सुरंगों के आसपास प्रशिक्षित किया है और रोबोट और कुत्तों का उपयोग करके सुरंगों के भीतर होने वाली घटनाओं और उनके भीतर लड़ने के लिए विशेष तत्वों को समझने के लिए खास सेंसर का उपयोग करना सीखा है।

इस्राइल के लिए क्यों चुनौती बनीं सुरंगें?

विशेषज्ञों का कहना है कि गाजा पट्टी में इस्राइली जमीनी आक्रमण की स्थिति में सुरंगें युद्ध की परिस्थिति को और जटिल कर देंगी। अमेरिकी सेना के एक पूर्व अधिकारी जॉन स्पेंसर ने कहा कि भूमिगत सुरंगों के साथ गाजा में चुनौती अद्वितीय है। स्पेंसर ने कहा कि विशाल और विस्तारित सुरंग नेटवर्क एक ऐसी समस्या है जिसका कोई सटीक समाधान नहीं है। स्पेंसर ने कहा कि सुरंगों के जरिए ही हमास लड़ाकों को विभिन्न युद्ध स्थलों के बीच सुरक्षित और निर्बाध रूप से स्थानांतरित करता है। किंग्स कॉलेज लंदन के युद्ध मनोवैज्ञानिक माइक मार्टिन ने कहा कि इन सुरंगों की वजह से गोलाबारी, रणनीति, प्रौद्योगिकी और संगठन में इस्राइल की महारत को हमास बेअसर कर पाता है। इसलिए आईडीएफ को नागरिक क्षेत्रों के भीतर सैन्य अभियानों के संबंध में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इजराइल ने 24 घंटे में बरसाए 400 बम

700 से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत का दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा है कि इज़राइल अपने फैसले खुद कर सकता है, क्योंकि अमेरिका सावधानी बरतने का आग्रह करते हुए दृढ़ता से अपने सहयोगी का समर्थन करता है।

इजराइल द्वारा गाजा पर आसन्न जमीनी हमले की खबरों के बीच, भारत ने इजराइल-गाजा संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और चल रहे संघर्ष में बड़े पैमाने पर नागरिक जीवन के नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा है कि इज़राइल अपने फैसले खुद कर सकता है, क्योंकि अमेरिका सावधानी बरतने का आग्रह करते हुए दृढ़ता से अपने सहयोगी का समर्थन करता है। इस बीच, इज़रायली रक्षा बलों ने कहा है कि वे गाजा पट्टी में जमीनी प्रवेश की तैयारी कर रहे थे। मंगलवार को, इज़राइल ने कहा कि उसने पिछले दिन 400 हवाई हमले किए, जिसमें हमास के कमांडर मारे गए क्योंकि वे इज़राइल पर रॉकेट दागने की तैयारी कर रहे थे। एक दिन पहले, इज़राइल ने 320 हमलों की सूचना दी थी क्योंकि इज़राइली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को कुचलने के लिए 7 अक्टूबर के हमलों के बाद से बार-बार कसम खाई है। युद्ध के परिणामस्वरूप, 7 अक्टूबर को इजरायली शहरों पर हमास के हमले के बाद इजरायल द्वारा क्षेत्र को सील करने के बाद से गाजा में 2.3 मिलियन लोग भोजन, पानी और दवा से बाहर हो रहे हैं। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कम से कम 5,791 फ़िलिस्तीनी मारे गए और 16,297 घायल हुए। युद्ध शुरू होने के बाद से कब्जे वाले वेस्ट बैंक में हिंसा और इजरायली छापे में 96 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 1,650 घायल हुए हैं।

राजेश्वर सिंह ने किया जातिवाद भ्रष्टाचार व आतंकवाद रुपी रावण का संहार कर भारत को विश्वगुरू बनाने का आवाहन

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। पूरे देश में मंगलवार को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व दशहरा धूमधाम से मनाया गया। राजधानी लखनऊ सह?ित यूपी के अलग-अलग ज?िलों में रावण दहन क?िया गया। सरोजनीनगर में भी पूरे हर्षोल्लास के साथ यह त्योहार मनाया गया। कई जगहों पर दशहरा मेला, झांकी व रामलीला का आयोजन किया गया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने भी अपने विधानसभा में क्षेत्रीय जनता के साथ दशहरा मनाया तथा लोगों से जातिवाद, भ्रष्टाचार व आतंकवाद रुपी रावण का संहार कर प्रभु श्रीराम के आदर्शों-गुणों को आत्मसात करने का आवाहन किया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने एलडीए कॉलोनी, हिंदनगर स्थित जय जगत पार्क में श्रीराम चंद्र सांस्कृतिक कला एवं सामाजिक सेवा समिति द्वारा आयोजित झांकी, रावण दहन एवं दशहरा मेले में हिस्सा लिया। हिंदनगर, सेक्टर-एफ स्थित रामलीला मैदान में श्री रामलीला एवं दशहरा कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला एवं दशहरा मेले में पहुंच प्रभु श्रीराम के आदर्श चरित्र के सजीव चित्रण का अनुभव किया। इस दौरान समिति की आवश्यकताओं व संसाधनों हेतु विधायक निधि से पूर्व में दिए गए 5 लाख रुपये को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने हेतु आश्वस्त किया। साथ ही उन्होंने प्रभु राम पर आधारित प्रश्नोत्तर में उत्तीर्ण 3 छात्रों को सम्मानित भी किया। इसके बाद विधायक ने एलडीए कॉलोनी, सेक्टर-एच स्थित गुलमोहर पार्क में संस्कार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला एवं रावण दहन कार्यक्रम में पहुंचकर क्षेत्रवासियों को विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं। यहां उन्होंने रामलीला कमेटी की समस्याओं के निराकरण तथा रामलीला मैदान में समुचित व्यवस्थाओं के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम दिखाई दिया। रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतला दहन के दौरान पटाखों की गूंज से पूरा वातावरण भर गया। लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सभी आयोजनों में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे।

डीएम ने एआर कोआपरेटिव को हटाने के दिए निर्देश, धान क्रय केन्द्रों पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

द अचीवर टाइम्स अनुराग मल्होत्रा

बाराबंकी। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने आज विकास खण्ड बंकी के ग्राम पंचायत सुल्तानपुर में 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2023-24 फसल धान की क्रॉप कटिंग विवरण का आकस्मिक निरीक्षण किया।उन्होंने वहां पर रकबे के हिसाब से क्राप कटिंग करवाकर स्वयं देखी। उन्होंने कहा कि क्रॉप कटिंग में शासन के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी श्री सत्येंद्र कुमार ने बाराबंकी मण्डी स्थित धान क्रय केन्द्र पहुॅचे। वहा पर जिलाधिकारी ने धान क्रय केन्द्र नवीन मण्डी में निरीक्षण के दौरान धान विक्रेता किसानों से पूछताछ की, किसानों ने बताया कि धान खरीदने के लिए उनको वापस लौटाया जा रहा है, धान क्रय नियमानुसार नहीं हो रहा है। जिलाधिकारी ने धान क्रय केन्द्र पर फिल्टर मशीन का भी निरीक्षण किया। फटी बोरी में धान भरने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल नई बोरी में धान भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस किसान ने आनलाइन टोकन लिया है, उनका शत प्रतिशत धान क्रय किया जाए। उन्होंने कहा कि नोटिस बोर्ड लगाया जाए, टोकेन बार सीरियल से प्रतिदिन धान क्रय किया जाए। उन्होंने कहा कि इसे सुनिश्चित करना होगा कि किसी किसान को धान खरीद में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने इस प्रकार की लापरवाही तथा अन्य अव्यवस्था के कारण एआर कोआपरेटिव को तत्काल हटाने के लिए शासन अनुशंसा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान क्रय केन्द्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, प्रत्येक कर्मचारी को अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करना ही होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायतवार लेखपालों को निर्देशित किया जाए कि कम से कम 20 किसानों की सूची धान क्रय के लिए उनके द्वारा प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने इसके बाद बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड मुबारकपुर विकास खण्ड बंकी धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान धान क्रय केन्द्र पर कोई किसान धान बिक्री के लिए नहीं मौजूद था, जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए रजिस्टर मंगाकर किसानों के मोबाइल नम्बर पर बात भी की। किसानों ने बताया कि अभी उनका धान तैयार नहीं है इस कारण वह धान क्रय केन्द्र पर नहीं पहुॅच पाए हैं। जिलाधिकारी ने कहा किसानों को फोन द्वारा नियमित रूप से सूचित किया जाए कि वह धान क्रय केन्द्रों पर आकर अपना धान विक्रय कर सकते हैं, उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। जिलाधिकारी ने धान क्रय केन्द्र के पीछे गोदाम के सामने पड़े रासायनिक खाद के ढेर को देखकर नाराजगी व्यक्त की और सम्बन्धित सचिव के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चूंकि स्कूल भी इसी बिल्डिंग से जुड़ा हुआ है, इसलिए यहां पर साफ सफाई का और अधिक अच्छी व्यवस्था की आवश्यकता है, इसे सुनिश्चित किया जाए।

एक नज़र

बीबीपुर चिरियारी गांव में दशहरा पर्व पर जागरण का आयोजन

द अचीवर टाइम्स विकास सैनी

लखनऊ। उन्नाव जनपद के बीबीपुर चिरियारी गांव में दशहरा पर्व पर जागरण का आयोजन हुआ।आपको बता दें कि हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन दशहरा का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व बुराइयों से संघर्ष का प्रतीक पर्व है, यह पर्व देश की सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीयता को नवऊर्जा देने का भी पर्व है। आज भी अंधेरों से संघर्ष करने के लिये इस प्रेरक एवं प्रेरणादायी पर्व की संस्कृति को जीवंत बनाने की जरूरत है।इसी क्रम में उन्नाव जनपद के विकासखंड के हसनगंज बीबीपुर चिरियारी गांव में दशहरा पर्व पर विशाल जागरण का आयोजन हुआ।जिसमें कलाकारों के द्वारा तरह तरह की झांकी प्रस्तुत की गई। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजनकर्ता बाबू शर्मा,सूरज सविता,छोटू विश्वकर्मा,रुचि शर्मा, पुजारी सर्विस, मोनू विश्वकर्मा, आकांक्षा शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में भक्त उपस्थित रहें।

शाहाबाद नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल की घोषणा साथी सफाई कर्मचारियों की पिटाई से है नाराज

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। शाहाबाद नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मचारी अपने साथी सफाई कर्मचारियों की पिटाई से नाराज होकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। नाराज सफाई कर्मचारियों ने पालिका मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए हंगामा किया। पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद, पालिका प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी तक अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है।शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गिलजयी निवासी सफाई कर्मी अनुज पुत्र प्रभु दयाल तथा कुणाल पुत्र महेश के अनुसार 24 अक्टूबर की सुबह 8ः00 बजे मोहल्ला गिलजई में वह अपनी ड्यूटी पर थे और सफाई कार्य कर रहे थे। उसी समय मोहल्ले का मुन्ना, सानू, तारिक एवं छक्कन आ गए और उनसे गाली गलौज करते हुए जबरन काम करने का प्रयास किया। उपरोक्त सफाई कर्मचारियों ने जब जबरन काम करने से मना किया तो दोनों सफाई कर्मचारियों को दबंगों ने मां बहन की गालियां देते हुए जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए भी गालियां दीं ,और लाठी डंडों से मारा पीटा जिससे दोनों को काफी चोटें आई।आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। सफाई कर्मियों का आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जिससे नाराज होकर समस्त सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। सफाई कर्मचारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर बुधवार को पालिका मुख्यालय पर प्रदर्शन कर हंगामा काटा। पालिका प्रशासन मुर्दाबाद, अधिशासी अधिकारी मुर्दाबाद, पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए। हड़ताली सफाई कर्मचारियों का कहना है जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती तब तक सफाई कार्य नहीं किया जाएगा।

प्रथम चरण में सीसी कैमरें संवेदनशील ग्रामों में लगवाये जाये- जिलाधिकारी

आईपी आधारित कैमरों को प्राथमिकता दी जाए जो मानक अनुरूप हों: एम0पी0 सिंह

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला हरदोई

हरदोई। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में श्ऑपरेशन त्रिनेत्र के संबंध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। आईपी आधारित कैमरों को प्राथमिकता दी जाए जो वेदर प्रूफ व मानक अनुरूप हों। कैमरों का कवरेज क्षेत्र पर्याप्त हो। कम से 8 कैमरे की डीबीआर लगायी जाए। कुछ स्थानों पर आवश्यकतानुसार 16 कैमरे की डीबीआर लगायी जाए। कैमरे स्थापित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के चिन्हित ग्रामों का सर्वे कराया जाए। ग्राम स्तर पर इस कार्य के लिए समित बनायी जाए। समिति में तकनीकी व जानकर लोगों को भी रखा जाए। स्थान चिन्हीकरण के लिए संबंधित थानों से समन्वय स्थापित किया जाए। प्रथम चरण में संवेदनशील ग्रामों को प्राथमिकता दी जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुररानी, जिला विकास अधिकारी अरविन्द कुमार, डीपीआरओ विनय कुमार सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक शातिर चोर विकासनगर पुलिस के हत्थे चढ़ा

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। (उत्तरी) क्षेत्र में थाना विकासनगर पुलिस ने एक शातिर चोर को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ किया गिरफ्तार, मोटरसाइकिल चोरी करने वाला आरोपी,श्रतिक चतुर्वेदी उर्फ गोलू,नि0 मोहल्ला चंदन नियर प्राइमरी स्कूल मस्जिद के पास, थाना इंदिरानगर लखनऊ, जिसके कब्जे से मोटरसाइकिल स्प्लेंडर बरामद हुई, ज्ञातव है कि जब से वरिष्ठ अधिकारियों ने अपराधीयों के धर पकड़ में अभियान चलाया है, तब से स्थानीय पुलिस भी सक्रिय दिख रही है। और लगातार अपराधियों को पकड़ने में कामयाबी हासिल कर रही है। मालूम हो कि इसी क्रम में डीसीपी, दिशा-निर्देश पर गठित की कई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना विकासनगर प्रभारी निरीक्षक विजय नारायण पाठक के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सफलता प्राप्त की, मा0 न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने की जेल समिति और जिला कौशल समिति प्रशिक्षण प्रदाताओं के साथ बैठक

द अचीवर टाइम्स देवराज

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने उ0 प्र0 कौशल विकास मिशन के अंतर्गत जेल समिति एवं जिला कौशल समिति प्रशिक्षण प्रदाताओं के साथ समीक्षा बैठक बचत भवन में की। जिलाधिकारी ने समिति के सदस्यों से इस संबंध में अब तक हुई प्रगति के संबंध में जानकारी ली। जिला सेवा योजन अधिकारी तनूजा यादव द्वारा कर में प्रगति नहीं किए जाने पर जिलाधिकारी ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी की अगली बार कार्य मे प्रगति नहीं हुई तो कड़ी प्रशानिक कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी में जेल में बंद कैदियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के संबंध में भी जानकारी ली। जीजीआईसी और कस्तूरबा विद्यालय में पढ़ रही छात्राओं की प्रशिक्षण दर कम होने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। प्रशिक्षण प्रदाताओं द्वारा बताया गया कि बच्चे विद्यालय छोड़ के चले जाते है जिसके कारण उनका आंकड़ा पूरा नहीं हो पता। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उन कारणों का पता लगाया जाए कि बच्चे क्यों विद्यालय छोड़ के जा रहे है। जिलाधिकारी ने कहा कि कौशल संस्थान ठीक से कार्य करें। यदि वह ठीक से कार्य नहीं करते हैं तो उनका भुगतान रोक दिया जाएगा। समिति के सदस्य समय समय पर संस्थानों का निरीक्षण करते रहे और यह सुनिश्चित किया जाए की चिंहित स्थान पर ही संस्थान क्रियाशील हो। जिलाधिकारी ने संस्थाओं के सदस्यों से कहा कि यदि किसी प्रकार की परेशानी हो तो प्रशासन से संपर्क करें। साथ ही स्थानीय स्तर पर ग्रामीण प्रधानों से सहयोग ले। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूजा यादव, जिला अर्थ एवं सांख्यकीय अधिकारी पन्ना लाल उपस्थित रहे।

चोरी का खुलासा न हुआ तो मुख्य चौराहे पर चक्का जाम करके पुलिस के खिलाफ देंगे धरना-दिग्विजय गुप्ता

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

लखीमपुर। निघासन खीरी ,कोतवाली निघासन से चंद कदम की दूरी पर राज ज्वेलर्स शोरूम से पौने एक करोड़ की चोरी के मामले में व्यापारियों ने हुंकार भरी है,पुलिस के ढुलमुल रवैये से आक्रोशित व्यापारियों ने पीड़ित सराफ व्यापारी के पक्ष में धरना का एलान किया है।पीड़ित सराफ व्यापारी दिग्विजय गुप्ता ने बताया कि पुलिस के बताए अनुसार रविवार तक चोरी का खुलासा नहीं किया गया तो निघासन से रकेहटी तक के व्यापारी सोमवार को मुख्य चौराहे पर चक्का जाम करके शांतिपूर्ण धरना करेंगे।वहीं पुलिस अभी तक किसी भी नतीजे पर नहीं पहुँच सकी इधर त्यौहार के दौरान सभी व्यापारी इस मामले में उलझे पुलिस भी सिर्फ अस्वाशन देकर मामले को ठंडा करने में जुटी है।पुलिस का रवैया बेहद निराशाजनक रहा है।

जिलाधिकारी ने की प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा 2023 तैयारियो की समीक्षा

द अचीवर टाइम्स देवराज

रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा-2023 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक बचत भवन में की। जिलाधिकारी ने सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेटो को निर्देश दिया कि परीक्षा स्थल पर सारी तैयारियां पहले से ही कर ली जाए। इस बात का ध्यान रखा जाए की परीक्षा कक्ष में कोई भी परीक्षार्थी इलेक्ट्रॉनिक उपकार लेकर प्रवेश न करें। परीक्षा हाल में प्रवेश से पहले ही उनकी अच्छे प्रकार से तलाशी कर ली जाए। साथ ही परीक्षा स्थल पर जलपान की व्यवस्था की जाए। परीक्षार्थियों को परीक्षा देते समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। कोई भी व्यक्ति बिना किसी कारण के परीक्षा परिसर में घूमता हुआ ना मिले। परीक्षा केंद्र तक प्रश्न पुस्तिका पहुंचते समय विशेष सावधानी रखी जाए। परीक्षा केंद्र पर विद्यार्थियों के बैग और मोबाइल रखने की व्यवस्था पहले से कर ली जाए। साथ ही परीक्षार्थियों के वाहन खड़े करने के लिए व्यवस्था पहले से कर ली जाए। सेक्टर मजिस्ट्रेट केंद्र व्यस्थापको से तालमेल बैठा कर कार्य करेंगे। परीक्षा हो जाने पर ओएमआर सीट कलेक्ट कर लेने के पश्चात ही विद्यार्थियों को कमरे से जाने दिया जाए।परीक्षा के दिन ट्रैफिक को भी कंट्रोल किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूजा यादव, अपर जिला अधिकारी प्रशासन प्रफुल्ल त्रिपाठी,जिला अर्थ एवं सांख्यिकीय अधिकारी पन्ना लाल उपस्थित रहे।

श्री शतचंडी महायज्ञ समिति द्वारा जोतपुर बड़रावा (मछरेहटा बरमी मार्ग पर) किया गया महायज्ञ

शतचंडी महायज्ञ समिति द्वारा श्री चक्रवती देवी सनातन सेवा संस्थान मंदिर ग्राम जोतपुर पोस्ट

द अचीवर टाइम्स सुधांशु अवस्थी

सीतापुर। बड़रावा तहसील मिश्रिख सीतापुर मे सात दिवसीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं वृन्दावन धाम की प्रसिद रासलीला का आयोजन किया गया है, इस महायज्ञ कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि दधीचि कुंड मिश्रिख से कलश यात्रा से प्रारम्भ हुआ, वृन्दावन से आये हुए कलाकारो ने रासलीला मे अभिनय किया, समिति द्वारा महायज्ञ का कार्यक्रम पचीस वर्षो से निरंतर किया जा रहा है कार्यक्रम का समापन कन्याभोज और भंडारा मे सब भक्तो को प्रसाद वितरण करके किया गया, कार्यक्रम मे समिति के विधिक सलाहकार आशुतोष मिश्रा का विशेष योगदान रहा, समिति द्वारा सभी पूर्व यजमानो को स्मृति चिन देकर सम्मनित किया गया, कार्यक्रम मे वर्तमान यज्ञ यजमान दिवाकर बाजपेयी व पूर्व सभी यजमान उपस्थित रहे, कार्यक्रम मे यज्ञ समिति के अध्यक्ष प्रदुम त्रिवेदी, उपाध्यक्ष मनबहार बाजपेयी, उपाध्यक्ष शिव भगवान त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद अवस्थी, महामन्त्री दिवाकर बाजपेयी, सहमंत्री अतुल मिश्रा, विधिक सलाहकार एवं विश्व हिंदू परिषद के जिला सहमंत्री आशुतोष मिश्रा सहित समिति के सभी लोग भक्तगण एवं सैकडो की सख्या मे लोग उपस्थित रहे।

संजय गांधी पीजीआई संस्थान परिसर के श्रुति आडोटोरियम में डॉक्टरों ने दशहरा के मौके पर रामलीला का मंचन किया

❖ शौक और प्रतिभा को बाँध कर नहीं रखा जा सकता है. व्यक्ति के अंदर का बच्चा अगर सक्रीय है तो व्यक्ति शौक पूरा करने का मौका निकाल ही लेता है।

द अचीवर टाइम्स रघुनाथ सिंह

लखनऊ । संजय गांधी पीजीआई संस्थान परिसर के श्रुति आडोटोरियम में डॉक्टरों ने दशहरा के मौके पर रामलीला का मंचन किया और रावण का पुतला फूँका। सादगी लेकिन उल्लास भरे वातावरण में इन डॉक्टरों ने राम चरित मानस के पात्रों का अभिनय करते हुए खूबसूरती से अपने-अपने किरदारों को निभाया. इन किरदारों में राम की भूमिका डॉ. तपस ने तथा सीता की भूमिका डॉ शिल्पी ने निभाई. जबकि डॉ सुमित सचान ने लक्ष्मण भरत की भूमिका डा.अंकुर मडेलिया ,शत्रुघ्न का रोल डा.चिन्मय साहू एवं हनुमान के किरदार में डा अमित रस्तोगी तथा डॉ अनूप कुमार ने रावण की भूमिका निभाई. रावण की पत्नी के रूप में मंत्रोत्री डा.अंजु दुबे ने रोल को अपनाया ,राजा जनक के किरदार में कार्डियोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ आदित्य कपूर ,कुम्भकर्ण में डॉ निखलेश के गौड, मेघनाद की भूमिका डॉ राघवेन्द्र परशुराम की भूमिका डॉ विजय उपाध्याय, विश्वामित्र का किरदार डॉ अनन्त मेहरोत्रा ने, बाली की भूमिका डॉ बृजेश ,अंगद के रूप मे डाक्टर अभिषेक पाठक,सुग्रीव की पत्नी तारा डा तपसी बरई ,मंथरा का रोला डा. आरती अग्रवाल , सबरी डा. रचना श्रीवास्तव ,केवट की भूमिका डॉ संदीप खूबा ने निभाई ।कौशल्या के लिए डॉ सुमित रानी सुमित्रा डॉ दीपिका कैकेई डॉ दिव्या क्षीण वशिष्ठ मुनि की भूमिका डॉ एस के अग्रवाल ने निभाई। धनुष को तोडने वालो में कृतिक, तुषार सिध्दांत संगीत का वादन डॉ चारू तिवारी ,ऋतु राज,अंजलि मिश्रा,डॉ अशोक, डॉ रचना , डॉ मानसी ने राम चारित मानस के दोहे से लोगो को मंत्र मुग्ध कर दिया। इनके अलावा नल-नील की भूमिका में सचित और अनन्या ने और हषिया ने जटायु और रिश्रता ने स्वर्ण मृग बनकर रामलीला का मंचन किया. खूबसूरत तरीके से संचालन का निदेशक मिस्टर संदीप यादव और पीरिति चौहान ने किया।

काकोरी शहीद स्मारक पर मेरा माटी मेरा देश अमृत कलश का आयोजन

द अचीवर टाइम्स दीपक कुमार कनौजिया

लखनऊ। बुधवार को काकोरी के शहीद स्मारक में मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा का जिला स्तरीय आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक,एवं केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के संरक्षण में गांव,कस्बे से एकत्र की गई मिट्टी को दिल्ली में बन रही अमृत वाटिका के लिए एक जगह एकत्र किया गया।जहां से अमृत कलश ट्रेन द्वारा इस मिट्टी को दिल्ली भेजा जाएगा।इस आयोजन में देश के लिए अपना बलिदान देने वाले शहीदों के परिजनों को उप मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय राज्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।अपने संबोधन में बृजेश पाठक एवं कौशल किशोर ने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही अंतोदय योजना, उज्ज्वला योजना,सौभाग्य योजना,हर घर नल योजना,आयुष्मान कार्ड योजना आदि पर प्रकाश डाला और बताया कि अगर आप सभी चाहते हैं कि ये योजनाएं चलती रहें तो पुनः 2024 में भाजपा को वोट कर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएं।इस कार्यक्रम में विधायक मलिहाबाद शजयदेवी कौशल, एमएलसी मुकेश शर्मा,विधायक मोहनलालगंज अमरेश कुमार, मण्डल उपाध्यक्ष एवं अनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव,नगर पंचायत अध्यक्ष रोहित साहू मण्डल महामंत्री विपिन राजपूत,सेक्टर संयोजक दिनेश कुमार श्रीवास्तव,सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देश प्रदेश सब महंगाई और बेरोजगारी की चपेट में है लेकिन यह सरकार आंखें मूंदे बैठी है : सुरेश यादव

❖ जिला अध्यक्ष हाफ़िज़ अयाज़ अहमद व राजेश यादव राजू ने साइकिल यात्रा में लिया हिस्सा।

द अचीवर टाइम्स अनुराग मल्होत्रा

बाराबंकी । देश बचाओ,देश बनाओ÷,समाजवादी साइकिल यात्रा का आज विधानसभा कुर्सी के कस्बा फतेहपुर में जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश कुमार वर्मा पूर्व एमएलसी राजेश यादव राजू सहित सैकड़ो समाजवादी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत करते हुए साइकिल यात्रा में सम्मिलित होकर फतेहपुर से बाराबंकी तक सभी नेताओं ने साइकिल यात्रियों के साथ साइकिल चलते हुए साइकिल यात्रा के सहभागी बने देश बचाओ देश बनाओ साइकिल यात्रा का जगह पर जोरदार स्वागत हुआ सर्वप्रथम इसरौली चौकी, बिशुनपुर चौकी देवां कस्बे मे सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव ने अपने सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ समाजवादी साइकिल यात्रा का स्वागत किया और वहीं से सदर विधायक ने साइकिल यात्रा में शामिल होकर साइकिल यात्रियों के साथ यात्रा में सहभागिता करते हुए सम्मिलित हुए स्वागत का सिलसिला छपरा स्कूल पर चंदौली में सूत मिल चौराहे पर पुलिस लाइन चौराहे पर निरंतर होता रहा साइकिल यात्रा पटेल तिराहे पर पहुंचकर सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करने के पश्चात नाका सतरिख होते हुए नेशनल पैलेस पहुंच कर सभा में तब्दील हो गई। यात्रा को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश वर्मा ने कहा यह यात्रा आने वाले लोकसभा चुनाव के लिए मील का पत्थर साबित होगी यह यात्रा इस तानाशाही सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होने जा रही है। यात्रा को संबोधित करते हुए सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव ने कहा आज देश प्रदेश सब महंगाई और बेरोजगारी की चपेट में है लेकिन यह सरकार आंखें मूंदे बैठी हुई है जन समस्याओं पर सरकार को जगाने के लिए यह साइकिल यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है इस यात्रा से जन भावना जागृत हो रही है लोगों के मन में इस सरकार के प्रति जो कुंठा भारी है वह सामने आ रही है यह यात्रा निश्चित तौर पर परिवर्तन यात्रा साबित होने वाली है। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व राजेश यादव राजू ने कहा नौजवान जब-जब चाहते हैं सरकार का तख्ता पलट देते हैं इस यात्रा का उत्साह और जन समर्थन देखकर यही लगता है कि आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन देश की सत्ता पर काबिज होने जा रहा है। साइकिल यात्रा में शामिल पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अहमद ने कहा किसी लड़ाई को जीतने के लिए हमेशा संघर्ष ही सर्वोपर रहा है संघर्ष के बगैर कोई लड़ाई जीती नहीं जा सकती आज इस साइकिल यात्रा ने पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा दिया है यह देश बचाओ देश बनाओ साइकिल यात्रा जिस-जिस विधानसभा जिस जिस कस्बे जिस जिस शहर से गुजरी है लोगों ने इसका जिस प्रकार गर्म जोशी से स्वागत किया है वह निश्चित परिवर्तन की ओर इशारा करता है आने वाले समय में देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी जिससे गरीब कमजोर असहाय वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी यह यात्रा ऐतिहासिक यात्रा साबित होगी। यात्रा में मुख्य रूप से यात्रा के नायक लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव के साथ जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद, जिला महामंत्री हिमांशु यादव, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, जिला उपाध्यक्ष कामता प्रसाद यादव, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, मोहम्मद आफाक, विधानसभा अध्यक्ष सुरेश यादव, विनय यादव, प्रेम प्रकाश यादव, अनस सलमानी, गौतम रावत लवली रावत, वेद प्रकाश रावत, नसीम गुड्डू, आदि तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

कलश यात्रा जिलाधिकारी के नेतृत्व मे पुलिस लाईन से रसखान प्रेक्षागृह पहुंची

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अन्तर्गत कलश यात्रा आज विकास खण्डों व नगर निकायों से जनपद स्तर पर पहुंची। सभी कलश यात्रायें ढोल नगाड़ों के साथ पुलिस लाईन ग्राउण्ड मे एकत्रित हुयी। तत्पश्चात जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सभी लोगों को पंच प्रण की शपथ दिलायी। सर्वश्रेष्ठ कलशों का निर्णय पांच सदस्यों की टीम द्वारा ज्यिूरी द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने ज्यिूरी का निर्णय सभी के समक्ष घोषित किया। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अन्तर्गत कलश यात्रा विकास खण्डों मे प्रथम स्थान बावन, द्वितीय स्थान कछौना व तृतीय स्थान सुरसा को मिला। नगर निकायों मे प्रथम स्थान हरदोई, द्वितीय स्थान साण्डी तथा तृतीय स्थान गोपामऊ ने प्राप्त किया। मंच का संचालन मनीष मिश्रा ने किया। कलश यात्रा जिलाधिकारी के नेतृत्व मे पुलिस लाईन से रसखान प्रेक्षागृह पहुंची, जहां कलशों को स्थापित किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अन्तर्गत कल रसखान प्रेक्षागृह मे भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, नगर मजिस्टेªट प्रशान्त तिवारी, जिला विकास अधिकारी अरविन्द कुमार, विकास खण्डों के ब्लाक प्रमुख व बी0डी0ओं0, नगर निकायों के चेयरमैन व अधिशासी अधिकारी तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

एक नज़र

मिशन शक्ति दीदी ने छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुण बताए उनके कानूनी अधिकार

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। बिलग्राम नगर स्थित बीजीआर इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत महिलाओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।बुधवार को इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी निरीक्षक बिलग्राम डी डी सिद्धार्थ द्वारा की गई।जिसमें मिशन शक्ति दीदियों में आरक्षी शालू सिंह,पुष्पा यादव,सुधा व आराधना ने कॉलेज की छात्राओं को महिलाओं के संबंधित उत्पीड़न प्रताड़ित यौन शोषण छेड़छाड़ फोन से अश्लील बात करना सहित कई मामले में अवगत कराया गया व महिला पुलिसकर्मी द्वाराह्व महिलाओ को विस्तार से जानकरी दी गई ओर बताया है कि बिना डर बिना झिझक कर जीवन यापन करे सरकार ने महिलाओ के लिए हर थाने में महिला हैल्पडेस्क बनाये गए है जो महिलाओ से बात महिला पुलिसकर्मी ही करेंगे और उनकी समस्याओं का सुनकर कारवाई अमल में लाई जाएगी योगी सरकार द्वारा लगातार महिलाओ के टोल फ्री नंबर उपलब्ध कराएं जैसे वूमेन पावर लाइन 1090 1076 112 108, 102,182 व 1930 आदि निःशुल्क हेल्पलाइन नम्बरो के बारे में बताया किसी भी जगह पर किसी भी प्रकार की घटना होने पर डरे नही बल्कि अपनी समस्या की शिकायत टोल फ्री नंबर पर दर्ज कराएं अन्य नजदीकी थाने पर सूचना दें इस मौके पर कॉलेज की छात्राएं व शिक्षकों की उपस्थित रही जहां पर मिशन शक्ति टीम द्वारा उन्हें गुड टच व बैड टच की जानकारी दी गई।

भूमि विवाद को लेकर दो अलग-अलग गांव में मारपीट , चार घायल

तिलौथू प्रतिनिधि। थाना क्षेत्र के बाराडी ग्राम में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। घटना के पश्चात प्रथम पक्ष से सुनीता देवी ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए गांव के ही अरविंद कुमार, मनीष कुमार ,राजकुमार ,दीपक ,विकास समेत 12 लोगों को नामजद किया है। जबकि दूसरी तरफ काउंटर केस दर्ज करते हुए अरविंद कुमार ने विजय कुमार, शंभू कुमार ,ललिता देवी ,नरेश यादव समेत 11 लोगों के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराई है। घटना के पश्चात पुलिस मामले की छानबीन में लग गई है थाना अध्यक्ष ने बताया कि घटना की तफ्तीश की जा रही है। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ थाना क्षेत्र के ही सेवाही ग्राम में सब्जी बेचकर लौट रहे एक व्यक्ति को लाठी डंडों से मार कर घायल कर दिया गया। जिसके बाद पीड़ित शिव शंकर उर्फ तूफानी भगत ने थाने में प्राथमिक की दर्ज कराते हुए गांव के ही मिथिलेश यादव एवं कुछ अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहा है की पुरानी रंजिश एवं भूमि विवाद को लेकर मेरे साथ मारपीट की गई है।

शादी की नीयत से किशोरी का अगवा ,प्राथमिकी

तिलौथू प्रतिनिधि। तिलौथू थाना क्षेत्र के माला बीघा ग्राम से स्कूल के लिए निकली एक नाबालिक किशोरी घर नहीं लौटी तो उसके पिता ने स्थानीय थाने में किशोरी के अगवा किए जाने की प्राथमिक की दर्ज कराई है। थाना अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि माला बिगहा निवासी सज्जन चौधरी ने दिए गए आवेदन में कहा है कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री घर से कॉलेज जाने के लिए निकली शाम तक वापस नहीं लौटी तो काफी खोजबीन के बाद मामले की सूचना थाने को दी गई। बताया कि प्राथमिकी में कहा गया है कि किशोरी अपने साथ एक एयरटेल सिम के साथ मोबाइल भी ले गई है ऐसा प्रतीत होता है कि शादी के नियत से किसी ने बहला फुसला कर उसका अगवा कर लिया है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि किशोरी की खोजबीन शुरू कर दी गई है।

एक दिवसीय कबड्डी महामुकाबला का आयोजन

मोहम्मद मुहिब नदवी उजाला पत्रिका

तंबौर सीतापुर। कस्बे में पानी की टंकी के नीचे एक दिवसीय कबड्डी महामुकाबला का आयोजन किया गया कबड्डी में कई टीमों ने हिस्सा लिया वहीं पर जूनियर व सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल में लखनऊ बेकरी तंबौर व पकरिया पुरवा के मध्य खेला गया। जिसमें पकरिया पुरवा की टीम ने लखनऊ बेकरी टीम को हराकर प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। इस महामुकाबला में लखनऊ बेकरी, पकरिया पुरवा, दुबई, अकबरपुर, ड्योढ़ेडीह, रातनगंज, माही सपोर्ट, काज़ीबेहड़ सहित दर्जनों टीमों ने भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि क़स्बे के मोहल्ला नवाब साहब पुरवा के सभासाद सैय्यद मो0 रेहान, मास्टर अकरम अज्जू, व समाजसेवी फहीम खान ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं नगद इनाम देकर सम्मानित किया। इस मौके पर रेहान सभासाद ने कहा कि खेल व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। दैनिक जीवन में खेलों का महत्व बढ़ना चाहिए। खेलों को बढ़ावा देने के लिए क़स्बे स्तर पर सुविधाओं का विस्तार सरकार को करना चाहिए। बेस्ट रेडर नौसाद खान एवं डिफेंडर जीशान चुने गए। इस दौरान मुख्य सहयोगी मुजीब कबाड़ी, हाशिम गौरी, मास्टर हनीफ, जीशान खान, शिबू बेग, जीशान बेग, आदिल खान, अनस खान, मारूफ खान, अहसान राईन, जियाउद्दीन, छोटू, आमिर,कमरान, छोटू, गुड्डु मिस्त्री, भोलू, मोईन ड्राइवर, मोईद कबाड़ी, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसआई राजेश मौर्य की सूझबूझ व तत्परता से टला बड़ा हादसा

❖ तिन्दवारी थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में सिलेण्डर में आग लगने की मिली थी सूचना।

❖ कुरसेजा चौकी प्रभारी राजेश मौर्य की तत्परता व सूझबूझ से आग पर पाया गया काबू जिससे टला गया बड़ा हादसा।

उजाला पत्रिका – यूसुफ खान

बांदा। बुधवार को समय 08.30 बजे तिंदवारी थाना क्षेत्र के चौकी प्रभारी कुरसेजा राजेश मौर्य को सूचना मिली कि सेमरी गांव के निवासी धनराज कोरी पुत्र जगतराज कोरी के घर में खाना बनाते समय सिलेंडर में आग लग गई । तभी एसआई राजेश मौर्य द्वारा सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि घर के अन्दर सिलेंडर में आग लगी है । चौकी प्रभारी द्वारा सूझबूझ के साथ सिलेंडर का रेग्यूलेटर बन्द किया गया तथा उसे सूनसान जगह में ले जाकर रखा गया तथा फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया चौकी प्रभारी द्वारा आग पर काबू पाया गया जिससे एक बड़ा हादसा टल गया तथा किसी प्रकार की जान माल की कोई हानि नहीं हुई । स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस के कार्य की भूरि-भूरि प्रसंशा की गई ।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए करें आवेदन

द अचीवर टाइम्स देवराज

रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी ने बताया कि समाज में सर्वधर्म समभाव तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार द्वारा ''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना'' समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न समुदाय एवं धर्मो के रीति-रिवाजों के अनुसार वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाता है। इस क्रम में अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन एवं पारसी) के सभी नागरिकों को सूचित किया है कि ऐसे नागरिक जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहें है, तथा आवेदक के परिवार की वार्षिक आय सीमा अधिकतम रूपये 2.00 लाख तक होगी, कन्या अविवाहित हो अथवा विधवा, परित्यक्ता/तलाकशुदा जिसका कानूनी रूप से तलाक हो गया हो, का पुनर्विवाह किया जाता है। पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है तथा वर की 21 वर्ष की आयु पूर्ण हो गयी हो, आवेदन के साथ उल्लिखित वांछित अभिलेख (जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शैक्षिक अभिलेख, मतदाता पहचान पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि) संलग्न करना अनिवार्य है। आवेदक अपने क्षेत्र में स्थित नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद/क्षेत्र पंचायत/जिला पंचायत में इस योजना हेतु मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की वेबसाइट/पोर्टल cmsvy.upsdc.gov.in पर आवेदन कर सकते है विस्तृत जानकारी हेतु जिला समाज कल्याण विभाग/जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग जनपद रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

खानापूर्ति तक सिमट कर रह गई खुली बैठक नहीं पहुचें नोडल अधिकारी

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

लखीमपुर फरधान। ग्राम पंचायत धौरहरा खुर्द में खानापूर्ति तक सिमट कर रह गई खुली बैठ। दो हफ्ते पहले तिथि निर्धारित के बावजूद भी खुली बैठक में नहीं पहुंचे जिम्मेदार अधिकारी। बैठक में कोई भी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी न पहुंचने की वजह से अपनी फरियाद लेकर आए फरियादी मायूस होकर वापस लौट गए। ग्राम पंचायत स्तरों पर सरकार द्वारा खुली बैठक कर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का फरमान तो जारी कर दिया गया है। लेकिन जिम्मेदार इसका खुला मखौल उड़ा रहे है। जिसकी तारीख तो तय की जाती है लेकिन निश्चित तारीख पर नोडल अधिकारी खुली बैठक में नहीं पहुंचते हैं और खानापूर्ति तक खुली सिमट कर जाती है। ऐसा ही ब्लाक सदर की ग्राम पंचायत धौरहरा खुर्द में हुआ। 25 अक्टूबर को पंचायत भवन में खुली बैठक के लिए प्रचार प्रसार कर दिया गया लेकिन खुली बैठक के दिन ब्लॉक स्तर से कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे जिससे मायूस होकर आए फरियादी वापस लौट गए। बैठक की सूचना पाकर रूपनारायण परिवार रजिस्टर के नकल लेने पहुंचे थे लेकिन किसी के न मिलने से उन्हें परिवार रजिस्टर की नकल नहीं मिल सकी। धौरहरा खुर्द के मजरा दुघड़ा निवासी राकेश अपने शौचालय की शिकायत लेकर पहुंचे लेकिन वह भी मायूस होकर लौटे गए। अन्य फरियादी ग्राम सभा की साफ सफाई, पात्रों को आवास, मनरेगा कार्य, नाली निर्माण ,सटील लाईट, पेंशन योजना आदि समस्याओं को लेकर बैठक में पहुचें लेकिन सभी को निराशा हाथ लगी। इसी तरह 22 होकर लौट गए ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में बैठक में मात्र पंचायत सहायक शुभम वर्मा पंचायत मित्र प्रमोद कुमार सदस्य अजय कुमार गुप्ता अनिल कुमार समेत बैठक में कुछ अन्य ग्रामीण मौजूद रहे ग्राम प्रधान पंचायत सेक्रेटरी व ब्लॉक स्तर से कोई भी अधिकारी बैठक में नहीं पहुंचे जिससे फरियादों की किसी भी समस्या का निराकरण हो सके।

सैयद ग़ालिब इमाम बने ट्रस्ट के कार्यवाहक सेटलर,आज से प्रभार संभाला

संवाददाता

सासाराम। मक़सूद आलम सिकरेटरी अनवरी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि आज अनवरी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट सासाराम के कार्यवाहक सेटलर के रूप में सैयद ग़ालिब इमाम ने अपना कार्यभार संभाला . पदभार सँभालते ही सैयद ग़ालिब ने ट्रस्ट के सेक्रेटरी सहित सभी ट्रस्टी सदस्यों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा की ट्रस्ट से जुड़े सभी लोगों ने मुझ पर अपना एक बड़ा भरोसा जताया है इसलिए मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूँ कि मैं सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूँगा .

ज्ञात हो की अनवरी एजुकेशनल ट्रस्ट के सेटलर खुर्शीद आलम की वर्ष 2019 में मृत्यु उपरांत सेटलर का पद रिक्त होने से ट्रस्ट का अधिकतम कार्य बाधित हो रहा था इसलिए ट्रस्ट के सेक्रेटरी मक़सूद आलम द्वारा अग्रतर कार्रवाई करते हुए बैठक कर सभी ट्रस्टी सदस्यों की सहमति उपरान्त श्री ग़ालिब को कार्यवाहक सेटलर के रूप में मनोनीत किया गया साथ ही ट्रस्ट में कुछ नए ट्रस्टी सदस्यों को भी ट्रस्ट में शामिल किया गया । इस मनोनयन पर ट्रस्टी सदस्य कमाल अख्तर परवेज़ आलम हाजी सग़ीरूद्दीन अरशद आलम मनव्वर हुसैन मो शहज़ाद ज़फ़र असद अबु तुराब नेशात अख़्तर मो नौशाद सहित शहर के सैकड़ों लोगों ने ग़ालिब इमाम को बधाई दी है ।

पत्थर को जो कर दे पानी, जय भवानी जय भवानी

❖गाजे बाजे के साथ राप्ती घाट पर प्रतिमाओं को ले जाकर श्रद्धालुओं ने किया विसर्जित,शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ प्रतिमा विसर्जन,सुरक्षा का रहा व्यापक इंतजाम।

संवाददाता

महराजगंज तराई (बलरामपुर)। शारदीय नवरात्र पर नौ दिन तक पूजा पंडालों में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं का बुधवार को हर्षोल्लास के साथ विसर्जन किया गया। विसर्जन शोभायात्रा में भक्तों का सैलाब उमड़ा। डीजे पर बजते भक्ति गीतों पर नाचते-गाते श्रद्धालुओं ने प्रतिमाओं का राप्ती नदी में विसर्जन किया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गए। शोभायात्रा में श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ाते हुए मां अंबे के जयकारे लगा रहे थे। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर युवकों ने जमकर डांस भी किया।रास्ते में कई स्थानों पर प्याऊ लगाकर श्रद्धालुओं को जलपान कराया। अन्य तमाम लोगों ने रास्ते में जगह-जगह प्रसाद वितरण किया। शोभायात्रा परंपरागत मार्गो से होते हुए राप्ती नदी के सिसई घाट पहुंची। जहां लोगों ने श्रद्धा के साथ राप्ती नदी में प्रतिमाओं का विसर्जन किया। महराजगंज तराई क्षेत्र में स्थापित सभी प्रतिमाओं का विसर्जन बुधवार को हर्षोल्लास के साथ विसर्जन किया गया।बस स्टाप चौराहे पर बड़कऊ कोटेदार, बजरंगी जायसवाल, छोटू मिश्र के सौजन्य से भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। थाना प्रभारी निरीक्षक रिंकी गुप्ता ने बताया की थाना क्षेत्र के अंतर्गत 76दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन व 6 कलश यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया।

रावण का अहंकार जलकर राख देश भर में मनाया गया विजयदशमी का त्यौहार

❖ 54 वर्ष पुरानी श्री बंसी बाबा रामलीला का समापन।

द अचीवर टाइम्स अनुराग तिवारी

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज असत्य के शिखर पर खड़े रावण का मंगलवार को अंत हो गया। श्रीराम का तीर लगते ही रावण का पुतला धू-धूकर जल उठा। उपस्थित लोग प्रभु राम की जय-जयकार कर उठे। इस दौरान रामलीला मैदान पर जमकर आतिशबाजी की गई। श्री बंशी बाबा रामलीला एवं दशहरा मेला समित कि ओर से न्यू जेल रोड स्थित दशहरा मेला मैदान पर रावण के 35 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। रामलीला समाप्त होने के बाद भगवान श्रीराम की सवारी ध्वज-पताका बैंडबाजा के साथ दशहरा मैदान पर पहुंची। लोग दशहरा ग्राउंड में दोपहर बाद तीन बजे से ही बच्चों को साथ आना शुरू हो गए थे। शाम होते-होते सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जहां लोगों ने मेले में बच्चों के लिए खूब खरीदारी की। वहीं दशहरा मैदान पर बनाए गए मंच पर शुरू हुए दोनों सेनाओं के भीषण युद्ध के मंचन के साथ ही कुंभकर्ण और मेघनाद का भी वध किया गया। इसके पश्चात दशहरा मैदान में श्रीराम और रावण के युद्ध प्रसंग का मंचन किया गया और भगवान राम ने विभीषण के सुझाव पर रावण को नाभि में बाण मारा, जिससे रावण का अंत हुआ। जिसके बाद रामलीला समित के सदस्यों द्वारा रावण के पुतले में आग लगाई गई। आग लगते ही कुछ ही समय बाद विशालकाय रावण का पुतला धू-धूकर जल उठा, और पूरा वातावरण जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। वहीं दूसरी ओर धू-धूकर रावण का अहंकार जलता देख लोगों ने बुराई से दूर रहने और सत्य की राह पर चलने की सीख भी ली। इस मौके पर चैयरमैन प्रतिनिधि अजय पाण्डेय सत्यम ने रामलीला मैदान पर पहुंचकर सभी कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विजयादशमी असत्य, अंहकार, अत्याचार और बुराई पर सत्य, धर्म और अच्छाई की विजय का प्रतीक है। आज के समय में हमारे अंदर भी कई बुराइयां छिपी हुई हैं। बुराई का अंत बुरा ही होता है। जिन्हें बाहर निकाल फेंकने की जरूरत है ताकि अच्छे समाज का निर्माण हो सके। नगरपंचायत चैयरमेन प्रतिनिधि अजय पाण्डेय उर्फ सत्यम रामलीला के डायरेक्टर राकेश गुप्ता कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा बराती वरिष्ठ सदस्य शिवकुमार तिवारी लल्लन प्रबंधक इन्द्र बहादुर सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश मिश्रा वरिष्ठ सदस्य त्रिलोकी यादव अरुणेश प्रताप सिंह दल्लू धीरेंद्र बहादुर सिंह उमेश गुप्ता विपिन यादव हैप्पी गुप्ता आशीष तिवारी समेत रामलीला कमेटी के सभी सदस्यों ने दर्शकों का आभार व्यक्त किया। 46 सालों से हनुमान का रोल कर रहे सतीश पांडे की तबीयत खराब हो जाने के कारण हनुमान रोल के लिए समिति काफी परेशान दिख रही थी कोई ऑप्शन नहीं था पर फिर भी मौके पर सतीश पांडे हनुमान का रोल निभाया और दर्शकों का दिल जीता।

सम्पादकीय

आओगे तो तुम भी राम के पास ही

रावण हो या हनुमान, या फिर विभीषण हृदय में तो सबके राम ही होते हैं। हनुमान का ये है कि राम उनके हृदय में भी हैं, और राम उनके जीवन में भी हैं। रावण का ये है कि जीवन तो उसका रावण का है और दिल उसने राम को दे रखा है। तो फिर वहां पर क्या आ जाता है? विभाजन आ जाता है, द्वंद आ जाता है। कहानी है कि मंदोदरी गई रावण के पास, बोली, ÷तुम्हें सीता को पाने की इतनी इच्छा है, तो तुम तो महामायावी हो, जाओ, सीता के पास राम ही बनकर चले जाओ अपनी माया का उपयोग करके। राम बनो, सीता के पास चले जाओ, सीता को पा लो। कैद तो तुमने कर ही रखा है सीता को। रावण ने कहा, ÷पगली, राम का रूप भी धरता हूं, बस ऊपर-ऊपर से राम होने का स्वांग भी करता हूं, तो भी इतनी गहन शांति मिलती है कि उसके बाद कहां छल कर पाऊं? रावण कह रहा है कि, ÷मैं रावण तब तक ही हूं जब तक जबरदस्ती मैंने राम को अपने से दूर रखा है। राम की छाया भी मुझपर पड़ गई तो मैं रावण रहूंगा नहीं न! राम का यदि विचार भी कर लिया मैंने तो मैं रावण रहूंगा नहीं न! ऐसे ही हैं हम, और इसीलिए हम राम से बचते हैं, क्योंकि वो जरा भी पास आया तो हम वो नहीं कर पाएंगे जो करने की हमने ठान ली है। राम यदि रावण के पास आ गए तो फिर वो सीता को बंधक नहीं रख पाएगा और अगर तुमने यही ठाना हुआ है कि सीता तो बंधक रहे, तो तुम्हारी विवशता हो जाएगी कि तुम राम से दूरी बनाओ। ये अनिवार्य हो जाएगा तुम्हारे लिए। तुम दोनों काम एक साथ नहीं कर सकते कि सच्चाई के पास भी हो और अपनी भी चला रहे हो। जिन्हें अपनी चलानी है, उन्हें मजबूरन सच्चाई को दूर रखना होगा, ठुकराना होगा। रावण को पता है कि राम नाम लेते ही, राम की छवि का स्मरण करते ही चित्त शांत हो जाता है, ज्वाला शीतल हो जाती है। तो फिर वो क्यों नहीं राम नाम ले रहा? क्योंकि वो बहुत दूर निकल आया है। आदत बहुत पुरानी हो गई है, बीमारी दुसाध्य हो गई है। तो अब रावण कहता है कि, ÷मेरे करे नहीं होगा। मैं तो अब अपनी रावणी इच्छाओं का गुलाम हो गया हूं। वो जान रहा है भलीभांति कि राम ही उसकी नियति हैं। यही बात तो मंदोदरी को दिए वक्तव्य से प्रकट होती है कि जान भली-भांति रहा है कि राम में ही शीतलता है, राम में ही चैन मिलना है, पर ये भी जान रहा है कि अब वो चैन वो अपने हाथों हासिल नहीं कर सकता। मंजिल भले राम हैं, पर पांव रावण के हो गए हैं, और रावण के हैं पांव जब तक, तब तक वो राम की ओर बढ़ेंगे नहीं। तो रावण की विषम स्थिति है। तो रावण फिर इलाज निकालता है। रावण कहता है कि, ÷राम को अगर पाना है तो अब ऐसे तो वो मुझे मिलेंगे नहीं कि मैं उनके सामने हाथ जोड़कर चला जाऊं, क्योंकि मैं तो रावण हो गया हूं। भीतर बोध का दिया टिमटिमा रहा है, पर बाहर घोर कालिमा। लेकिन दिया तो दिया है फिर भी, और दिया भारी पड़ रहा है। रावण जो कर रहा है, है वो प्रकाश की दिशा में, रावण जा राम की तरफ ही रहा है, पर वो कह रहा है, ÷अपने पांव नहीं आ पाऊंगा, सीधा रास्ता नहीं इख्तियार कर पाऊंगा÷। तो रावण जरा टेढ़ा रास्ता लेता है। क्या टेढ़ा रास्ता लेता है? वो कहता है कि, ÷तुम्हारा सामने झुककर नहीं आ पाया तो तीर-कमान लेकर आऊंगा, तुम्हारे सामने भक्त की तरह नहीं आ पाया तो शत्रु की तरह आऊंगा, पर आना तो मुझे तुम्हारे सामने ही है क्योंकि वही नियति है मेरी। हाथ नहीं जोड़ पाया तो तीर मारूंगा।

पुण्यात्मा-पापात्मा दोनों के राम

समझना इस बात को। पुण्यात्मा, पापी-दोनों का अंत तो एक ही होना है न? क्योंकि अंत तो एक ही हो सकता है। उस अंत का नाम है-परमात्मा। उसी अंत का नाम है-राम। और राम दोनों को आकर्षित करते हैं। राम पुण्यात्मा को और पापात्मा, दोनों को आकर्षित करते हैं। भक्त को कैसे आकर्षित करते हैं? कि भक्त कहता है, ÷मंदिर है, चलो चलें÷। तो भक्त ऐसे आ गया राम की ओर। और पापी कैसे आकर्षित होता है? कि पापी कहता है, ÷राम हैं, डंडा उठाओ, मारो, गाली दो, मुंह नोच लो, अपशब्द कहो, निंदा करो। गौर से देखो कि शत्रुता हो कि मित्रता हो, दोनों ही स्थितियों में तुम शत्रु को और मित्र को याद करते हो। तो भक्त भी राम को याद करता है, और पापी भी राम को याद करता है। अंतर बस इतना है कि पापी का राम को याद करने का तरीका विकृत है, घिनौना है, दुःखदाई है। तो रावण ने यही तरीका चुना। अपने हाथों तो मिट नहीं पाऊंगा राम तुम्हारे सामने, मैं बड़ा पुराना रावण हो गया, तो अब तुम्हारे सामने मिटने का एक ही तरीका है कि तुम्हें दुश्मन बना लूं और फिर तुम मुझे मिटा दो। ये बात हो सकता है उसने चैतन्य मन से न सोची हो। चैतन्य मन से हो सकता है वो यही सोच रहा हो कि, ÷तीर मारकर राम को खत्म ही कर देता हूं।÷ पर चैतन्य मन के नीचे कुछ बैठा है, उसके अपने तरीके हैं, उसके अपने क्रियाकलाप हैं। तो वो जो नीचे बैठा है, वो रावण को घसीटकर ले गया राम के पास। जाना ही तो था पास, पहुंच गया रावण। हाथ जोड़कर नहीं पहुंचा, हाथ उठाकर पहुंचा, पर पहुंच तो गया ही न? पहुंच गया राम के पास। और फिर कथा ये भी कहती है कि राम के ही हाथों उसका उद्धार भी हो गया। जब उद्धार हो गया तो बड़ा अनुग्रहित हुआ, बोला, ÷यही तो था, यही तो चाहिए था। तुम्हारे अलावा किसी और के हाथों मौत मिलती तो भटकते ही रहता। भला हुआ राम कि तुमने मारा। तो आना तो तुम्हें है ही, दोस्त बनकर नहीं आओगे तो दुश्मन बनकर आओगे। भला होगा अगर तुम दोस्त बनकर ही आ जाओ। जब सत्य दुनिया में कहीं भी हुंकार करता है तो दुनिया दो हिस्सों में बंट जाती है। तगड़ा पोलाराइजेशन (ध्रुवीकरण) होता है- कुछ समर्थक बन जाते हैं, और कुछ घोर विरोधी। उदासीन कोई नहीं रह पाता; इंडिफरेंट आप नहीं रह सकते। ये सत्य की हुंकार का एक प्रामाणिक लक्षण है। कुछ होंगे जो बिल्कुल उसके भक्त बन जाएंगे, मित्र बन जाएंगे, साथी हो लेंगे और बाकी जितने होंगे वो आरोप लगाएंगे, वार करेंगे, दुश्मन हो लेंगे। ऐसा लगेगा कि जैसे दुनिया दो हिस्सों में बंट गई है, और ऐसा लगेगा कि जैसे वो दोनों हिस्से एक-दूसरे के विरोधी हैं और विपरीत काम कर रहे हैं। विपरीत नहीं काम कर रहे, दोनों ही हिस्सों में एक ही काम हो रहा है। पहला हिस्सा भी जा रहा है सच के पैगम्बर की ओर। क्या बनकर? मित्र बनकर, भक्त बनकर, श्रद्धालु बनकर। और दूसरा हिस्सा भी तो जा रहा है शत्रु बनकर। जा दोनों ही रहे हैं। काम हो गया। संत, ऋषि मुस्कुराता है। वो कहता है, ÷तुम्हारी मर्जी, तुम्हें जैसे आना हो तुम आओ।

शायर

आज़ हारे हो तो कल जीत भी होगी,
एक हार से निराश मत होना,
खेलोगे तो जीतने के कई मौक़े मिलेंगे,
ज़िंदगी के खेल में कभी उदास मत होना।

-तौकीर अंसारी

दिखावा तेजी से फैलता एक सामाजिक रोग

-डॉ सत्यवान सौरभ

समय के साथ बदलते समाज में दिखावे की प्रवृत्ति तेज़ी से बढ़ रही है। आजकल ज्यादातर लोग दूसरों के सामने अपनी नकली छवि पेश करते हैं। काफी हद तक ईएमआइ की सुविधाओं ने भी लोगों में दिखावे की इस आदत को बढ़ावा दिया है। दूसरे के पास कोई भी नई या महंगी चीज देखकर लोगों के मन में लालच की भावना जाग जाती है। फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल साइट्स की वजह से भी युवाओं में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। रिलेशनशिप को भी सोशल साइट्स पर दूसरों को दिखाने के लिए ही अपडेट किया जा रहा है। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपके आचार, विचार और व्यवहार में गंभीरता आएगी। तब कभी आप सोचेंगे कि अगर मैं 300 रुपए की घड़ी पहनूं या 30000 की, दोनों समय एक जैसा ही बताएंगी। मैं 300 गज के मकान में रहूं या 3000 गज के मकान में, तन्हाई का एहसास एक जैसा ही होगा। सोने के लिए एक बेड ही पर्याप्त होगा। फिर आपको ये भी लगेगा कि यदि मैं बिजनेस क्लास में यात्रा करूं या इक्नामी क्लास में, अपनी मंजिल पर उसी नियत समय पर ही पहुँचूंगा। या फिर रेलवे के स्लीपर क्लास में यात्रा करो या एसी में, ट्रेन एक ही समय में दोनों को पहुंचाएगी। इसलिए अपनी आवश्यक आवश्यकताओं पर ध्यान देना चाहिए न कि व्यर्थ के दिखावे पर फोकस करना चाहिए। किसी भी चीज का दिखावा करने की आपको कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इससे क्षणिक फायदा मिलता है। हमें कुछ भी काम करना है वह दूर दृष्टि को ध्यान में रखते हुए करना है। अपनी क्षमताओं को बढ़ाइए और यह सब पॉसिबल होगा जब आप अच्छी बातों को अपने जीवन में धार लेंगे। यह आप जीवन के किसी भी पड़ाव पर कर सकते हैं तो फिर दिखावे की क्या जरूरत है? इंसान को केवल अपना मानसिक संतुलन बराबर रखते हुए आत्मविश्वास की चरम प्रकाष्ठा पर पहुंचना होगा। इसमें पहुंचने का सबसे आसान तरीका है कि वह अपने को सादा जीवन और उच्च विचार वाली कहावत पर चरितार्थ करें। हमें जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए बहुत कुछ अपने अंदर बदलाव करने होंगे वह सब आसानी से कर सकते हैं सिर्फ सोच को सकारात्मक बना ले। आज का युग आधुनिक युग है, जहां हर क्षेत्र में विकास देखने को मिलता है। पूरी दुनिया पर आधुनिकता का भूत सवार हो चुका है। आधुनिकता का सीधा संबध विकास से दिखाई देता है। उद्योग से लेकर प्रयोग तक यह संसार बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीछे मुड़कर देखना नहीं चाहते हैं हम इस विकास की दौड़ में हम मानवता को भूल चुके हैं। हम एक बार भी पीछे मुड़कर देखना भी नहीं चाहते हैं, जो एक बड़ी भूल साबित हो सकती है। कहते हैं कि इतिहास अपने आप को दोहराता है, जो हमें समय-समय पर देखने को भी मिलता है। इतना होने के बावजूद हम कुछ सीखने के मूड में नहीं हैं। आज के दौर में आनलाइन प्लेटफार्म पर निजी जीवन का अनावश्यक दिखावा इस कदर बढ़ गया है कि हम जो खाएं, पीएं, घूमने जाएं, उसे आनलाइन प्लेटफार्म पर डालना जैसे हमारी ड्यूटी में शामिल हो गया है। नई चीज खरीदते हैं तो उसे फेसबुक पर अपलोड करना नहीं भूलते। परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के दौरान खींची निजी तस्वीरों को भी लोग साझा करने से नहीं चूकते। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपके आचार, विचार और व्यवहार में गंभीरता आएगी। तब कभी आप सोचेंगे कि अगर मैं 300 रुपए की घड़ी पहनूं या 30000 की, दोनों समय एक जैसा ही बताएंगी। मैं 300 गज के मकान में रहूं या 3000 गज के मकान में, तन्हाई का एहसास एक जैसा ही होगा। सोने के लिए एक बेड ही पर्याप्त होगा। फिर आपको ये भी लगेगा कि यदि मैं बिजनेस क्लास में यात्रा करूं या इक्नामी क्लास में, अपनी मंजिल पर उसी नियत समय पर ही पहुँचूंगा। या फिर रेलवे के स्लीपर क्लास में यात्रा करो या एसी में, ट्रेन एक ही समय में दोनों को पहुंचाएगी। इसलिए अपनी आवश्यक आवश्यकताओं पर ध्यान देना चाहिए न कि व्यर्थ के दिखावे पर फोकस करना चाहिए। आजकल केवल रहन-सहन में ही नहीं, बल्कि रिश्तों के मामले में भी लोग नकली व्यवहार करने लगे हैं। यहां तक कि प्यार जैसी कोमल और सच्ची भावना में भी अब दिखावे की मिलावट हो रही है। आज की युवा पीढ़ी में रिश्तों के प्रति पहले जैसी ईमानदारी नज़र नहीं आती। लोग मन ही मन दूसरों के बारे में बुरा सोचते हैं, पर उनके सामने अच्छा बने रहने का ढोंग करते हैं। झूठ की बुनियाद पर टिके ऐसे रिश्ते नकली और खोखले होते हैं, इसीलिए वे जल्द ही टूट भी जाते हैं। हमें अपने बच्चों को बहुत ज्यादा अमीर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के बजाए बहुत ज्यादा खुश कैसे रहना चाहिए ये सिखाना चाहिए। हमें भौतिक वस्तुओं के महत्व को देखना चाहिए उसकी कीमत को नहीं। दिखावे की जिंदगी से हमें बाहर आना होगा। आने वाली पीढ़ी को बताना होगा कि उनका यह समय पठन-पाठन व ज्ञानअर्जन का है। ऐसे में जरूरी है कि हम फेसबुक, वाट्सएप पर सिर्फ अपने काम की बातों से ही सरोकार रखें। वाट्सएप पर रिश्ते बनते हैं पर बिगड़ते भी हैं। गलतफहमियां होती हैं। अंततः रिश्ते बिखरते देर नहीं लगती। बच्चों को अभिभावक जितना समय देंगे, बच्चे उतने ही संस्कारवान बनेंगे। एकल परिवार की विभीषिका झेलने पर मजबूर बच्चे एकाकीपन का समाधान मोबाइल पर ढूंढने लगते हैं। संवादहीनता से बचाव, बच्चों की बातों को सुनना व उनकी दिनचर्या का भाग होना ही उन्हें आपके प्रति आकर्षित करेगा। हमें यह जानना होगा कि अगर समाज में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है तो इसकी वजह क्या है? आज लोगों को पहले की तुलना में पैसे कमाने के ज्यादा विकल्प मिल रहे हैं। पहले लोग अपनी सीमित आमदनी में भी संतुष्ट रहना जानते थे। अब वे सोचते हैं कि हमारे पास और क्या होना चाहिए, जिससे समाज में हमारा स्टेटस ऊंचा नज़र आए। काफी हद तक ईएमआइ की सुविधाओं ने भी लोगों में दिखावे की इस आदत को बढ़ावा दिया है। दूसरे के पास कोई भी नई या महंगी चीज देखकर लोगों के मन में लालच की भावना जाग जाती है। फेसबुक और ट्विटर जैसी सोशल साइट्स की वजह से भी युवाओं में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। रिलेशनशिप को भी सोशल साइट्स पर दूसरों को दिखाने के लिए ही अपडेट किया जा रहा है। हम अपनी सभी गतिविधियों को वहां साझा करके चर्चा में बने रहना चाहते हैं। अब लोग रिश्तों के मामले में भी दिखावा करने लगे हैं। जीवन

युद्ध, अर्थव्यवस्था और मानवता की चुनौतियों के बीच हैरान करती है सैन्य खर्च में बढ़ोतरी

दुनिया भर में शांति को बढ़ावा और संघर्ष की वजहों को कम करने के लिए सैन्य खर्च को बढ़ाया जाना वाकई विचित्र है, खासकर जब दुनिया की 9.3 फीसदी आबादी बेहद गरीबी में रोज 2.15 डॉलर से भी कम पर गुजारा कर रही हो। पवित्र ग्रंथ बाइबिल कहती है कि अगर कोई तुम्हारे दाएं गाल पर तमाचा मारे, तो बायां गाल भी उसकी ओर कर दो।' ये शब्द कितने ही बुद्धिमानी से भरे हों, लेकिन ये मनुष्यों और राजाओं को अपनी सीमाओं के विस्तार के लिए हथियार उठाने से कभी रोक नहीं पाए। युद्धों में पैसा ही नहीं, लोगों की जिंदगियां भी खर्च हो जाती हैं। आधुनिक युद्धों की शब्दावली जिन लड़ाकू विमानों और मिसाइलों से भरी है, जरा उनके संचालन की लागत पर गौर करें। बहुचर्चित एफ-35 की बात करें, तो अमेरिकी सरकार 2,500 विमानों पर 17 खरब डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है यानी कि प्रति विमान पर साढ़े सात करोड़ डॉलर का खर्च आएगा। जब यह उड़ रहा होगा, तब हर घंटे करीब 42 हजार डॉलर धुआं हो रहे होंगे। ज्यादा कुशल माने जाने वाले एफ-15 विमान की हर उड़ान में प्रति घंटे करीब 29 हजार डॉलर का खर्च आता है। आयरन डोम इस्राइल की सुरक्षा प्रणाली में कवच की तरह है। ऐसा अनुमान है कि पूरे इस्राइल में करीब दस आयरन डोम बैटरी हैं। हर बैटरी में 60 से 80 मिसाइलें हैं और हर मिसाइल की कीमत तकरीबन 40 हजार डॉलर है। बीते रविवार को अमेरिकी सरकार ने अरबों डॉलर की अत्याधुनिक थाड प्रणाली भेजने की घोषणा की। बोईंग ने इस्राइल को 1800 जीपीएस आधारित बम किटों की शीघ्र डिलीवरी की घोषणा की, जिनमें से प्रत्येक किट की कीमत करीब 24 हजार डॉलर है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्वी भूमध्य सागर में 13 अरब डॉलर के विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती की घोषणा की। यह ग्रुप 75 लड़ाकू जेट, रडार और मिसाइल लॉन्चर से सुसज्जित है। एक टॉमहॉक मिसाइल की कीमत 15 लाख डॉलर और एक पैट्रियट मिसाइल की कीमत करीब 40 लाख डॉलर है। युद्ध के हथियार वगैरह बनाने वाली कंपनियों के लिए युद्ध मुनाफे का समय होता है। यह शेयरों की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव से भी स्पष्ट होता है। सात अक्तूबर के हमलों के बाद इससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों में उछाल देखा गया। इस क्षेत्र की शीर्ष दस कंपनियों का वर्तमान बाजार पूंजीकरण 653 अरब डॉलर है। बिजनेस रिसर्च कंपनी द्वारा जारी 2023 की वैश्विक रक्षा बाजार रिपोर्ट कहती है कि 2027 तक रक्षा बाजार का आकार बढ़कर 718 अरब डॉलर का होने की उम्मीद है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि युद्धों की इस भारी-भरकम लागत का पैसा कहां से आता है? यह दरअसल, बहुत कुछ भू-राजनीति और घरेलू राजनीति पर निर्भर करता है। अब यूक्रेन के युद्ध को ही लें। 24 फरवरी, 2022 से अमेरिकी सरकार ने 40.4 अरब डॉलर से ज्यादा की सुरक्षा सहायता की प्रतिबद्धता जताई है, जो माल्टा और यमन जैसे देशों की संयुक्त जीडीपी के लगभग बराबर है। इस हफ्ते भी व्हाइट हाउस ने इस्राइल और यूक्रेन का समर्थन करने के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने का आह्वान किया है। पर सवाल उठता है कि आतंकवादी समूहों को धन कैसे मिल पाता है? अमेरिका और उसके सहयोगियों का मानना है कि ईरान हमास, हिजबुल्ला और हौथिस जैसे आतंकी गुटों को धन व तकनीकी मुहैया कराता है। लेकिन सवाल फिर भी बना हुआ है कि इतने प्रतिबंधों के बावजूद धन इन गुटों के पास पहुंचता कैसे है? अमेरिकी सांसद एलिजाबे वॉरेन और सौ से ज्यादा दूसरे सांसदों ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान को एक पत्र लिखकर इस नई उभरती व्यवस्था की झलक दी। उनका दावा है कि अगस्त, 2021 से जून, 2023 के बीच हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) ने क्रिप्टो में 13 करोड़ डॉलर से ज्यादा राशि जुटाने में कामयाबी हासिल की और पीआईजे ने 1.2 लाख डॉलर क्रिप्टो में हिजबुल्ला को दिए। घटनाएं बढ़ीं, तो पैसों का यह आवंटन भी बढ़ा। माना जाता है कि शीत युद्ध की समाप्ति से शांति की स्थापना हुई। लेकिन पिछले तीन दशकों में सैन्य खर्च काफी बढ़ा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक, विश्व सैन्य खर्च 1992 के करीब 1.2 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 2022 में 2.24 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। जब राष्ट्रों को जीडीपी के क्रम में रखा जाता है, तो युद्ध अर्थव्यवस्था दो लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा के साथ दुनिया में आठवें स्थान पर फ्रांस के नीचे आती है। सैन्य खर्च करने वालों की सूची में 877 अरब डॉलर के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, उसके बाद 292 अरब डॉलर के साथ चीन और 86 अरब डॉलर के साथ रूस आते हैं। दुनिया भर में शांति को बढ़ावा और संघर्ष की वजहों को कम करने के लिए सैन्य खर्च बढ़ाया जाना वाकई दिलचस्प है। विश्व बैंक के एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया की 9.3 फीसदी आबादी यानी करीब 70 करोड़ लोग बेहद गरीबी में हैं, जो रोज 2.15 डॉलर से भी कम कमा पाते हैं। मिसाल के लिए, गाजा में रहने वाले हर दस में सात लोग वैश्विक मदद पर निर्भर हैं। मध्य पूर्व का युद्ध कितना लंबा खिचेगा, यह तो नहीं कह सकते। पर यह जरूर है कि अफगानिस्तान और इराक के युद्धों में अमेरिका ने 80 खरब डॉलर खर्च किए हैं। वाट्सन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स के अध्ययन के मुताबिक, अमेरिका में 9/11 हमले के बाद से लाखों सैनिकों और नागरिकों की मौतों और अरबों डॉलर खर्च करने के बावजूद वहां के लोगों में शायद ही शांति आई है। तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज है, सीरिया पूरी तरह से अस्थिर है और इराक में भी विद्रोही समूहों का उत्पात जारी है। गाजा के बाहर इस्राइली सैनिक जमीनी हमले के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। रॉकेट के हमलों से गाजा की धरती थर्राई हुई है। काहिरा में शांति शिखर सम्मेलन ध्वस्त हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र में रूस और ब्राजील द्वारा तैयार युद्ध विराम के आह्वान वाले दो प्रस्तावों को खारिज कर अमेरिका द्वारा तैयार प्रस्ताव पर विचार हो रहा है। संघर्ष की आग को और भड़कने से रोकने के लिए पिछले दरवाजे की कूटनीति जारी है। पश्चिमी देश एकजुटता दिखाने के लिए इस्राइल का दौरा कर रहे हैं। पर काफी कुछ इस पर निर्भर करेगा कि प्रतिरोध की धुरी और चीन की भूमिका कैसे विकसित होती है। युद्धों का विकास पर प्रभाव स्पष्ट है, जहां पूरी दुनिया उच्च ऋण, पूंजी की बढ़ती लागत और कम वृद्धि दर से जूझ रही है। कहते हैं कि अगर आपके पास ताकत है, तो उसका इस्तेमाल पूरी दुनिया के सामने मिसाल बनने के लिए किया जाना चाहिए। लेकिन फिलहाल पूरी दुनिया में जो हो रहा है, उसे कवि रॉबर्ट ब्लेयर के शब्दों में कहें तो, 'मानवता ने युद्ध और कब्रिस्तान का रास्ता चुना है।

एक फूल शायद ही कभी दूसरे फूल से प्रतिस्पर्धा करता है!

एन. रघुरामन, मैनेजमेंट गुरु

1970 में मैंने उन्हें नागपुर के कस्तूरचंद पार्क मैदान में वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेलते हुए पास से देखा। वेस्ट इंडीज के खिलाड़ियों के भारी-भरकम शरीर और उनके ताकतवर कप्तान क्लाइव लॉयड से वह कभी नहीं घबराए और हमेशा कड़क मिजाज़ के साथ सिर ऊंचा करके बात की, वहीं मैच के बाद ऑटोग्राफ लेने के लिए पास आने वाले हम जैसे बच्चों से हाथ मिलाते हुए वह हमेशा विनम्र रहते थे। मुझसे हाथ मिलाते उन्होंने एक सवाल पूछा, जो मुझे आज भी याद है कि ÷क्या खेलते हो?' मैंने कहा, 'चैस'। बड़ी-सी मुस्कान के साथ उन्होंने कहा, ÷बहुत अच्छा और तीन सेकंड रुककर बोले, हर खेल अच्छा है पर शारीरिक गतिविधि वाले खेल शरीर व दिमाग दोनों के लिए अच्छे होते हैं।' 1970 में मिली उस सलाह से मेरी आउटडोर खेलों में रुचि जागी। उन चंद सेकंड्स की बातचीत में उन्होंने कभी भी दूसरे खेलों के प्रति अनादर नहीं दिखाया और मानते थे कि अगर सही फोकस हो तो हर खेल के अपने फायदे हैं। दो लोग ऐसे हैं, जिनका चलना, दौड़ना और कोई काम करना मेरे लिए कोई कविता जैसा है, उनमें एक हैं अभिनेता कमल हासन और दूसरे बिशन सिंह बेदी, जिनका 77 साल की उम्र में 23 अक्टूबर को निधन हो गया। क्रिकेट प्रेमियों की इस पीढ़ी ने बेदी को खेलते हुए शायद कभी नहीं देखा होगा। मैंने उन्हें छोटी-सी वॉक करके क्रीज तक आते हुए देखा है, मानो कोई डांसर मंच पर आ रहा हो और जमीन छूकर मंच का आशीर्वाद ले रहा हो। जब वह क्रीज तक आते और सटीक लेंथ बॉल डालने के लिए शालीनता से अपना बायां हाथ उठाते, तो लगता कि कविता पाठ हुआ हो। एक के बाद एक गेंद डाली जातीं और एक्शन बिल्कुल नहीं बदलता, लेकिन गेंद बल्लेबाज को चकमा दे देती क्योंकि उनकी उंगलियां जादू कर देतीं। मुझे भरोसा है कि खेल में शिष्टता शायद इसकी वजह हो। उन्होंने मुथैया मुरलीधरन को 'जेवलिन थ्रोअर' कहा था और बोले कि उनके 800 टेस्ट विकेट को इतिहास की किताबों में ÷रन आउट' करार दे देना चाहिए। सरदार होने के बावजूद वह जेंटलमैन गेम (क्रिकेट) में माहिर जेंटलमैन थे। वह क्रिकेट की आदर्शवादी दुनिया में नहीं रहे जैसा खेल के बारे में सपना देखते थे। पर यह उनको वह कहने से कभी नहीं रोक पाया, जो उन्हें कहना होता था, चाहे साथी खिलाड़ियों के बारे में हो या क्रिकेट स्टेडियम से जुड़ी राजनीति के बारे में। इसमें ताज्जुब की बात नहीं कि जिस ट्रेनिंग अकेडमी को वह संभाल रहे थे, वहां उन माता-पिता की खुलेआम आलोचना करते थे, जो चाहते थे कि उनका बच्चा हमेशा सचिन तेंदुलकर बने, न कि बिशन सिंह बेदी। वह पैरेंट्स की महत्वाकांक्षाओं पर गुस्सा नहीं थे, बल्कि उन्हें उन पर गुस्सा आता था, जिन्हें लगता था कि सिर्फ बल्लेबाजी से ही क्रिकेट में फेम पाया जा सकता है। उनकी आपत्तियों के बारे में आज जब मैं विचार कर रहा हूं तो मुझे एक रूपक याद आता है, जो कि उन्होंने कभी कहा नहीं लेकिन मतलब स्पष्ट था कि ÷एक फूल अपने बगल वाले फूल से प्रतिस्पर्धा करने के बारे में नहीं सोचता।÷ वह सिर्फ खिलता है, मुस्कराता है और उसकी खूबसूरती निहारने वाली आंखों को खुशी देता है। उनका मतलब ये था कि बच्चों को तय करने दो कि उन्हें सचिन, विराट या बेदी बनना है, यह उनकी आंतरिक शक्ति पर निर्भर करेगा। बाकी फूल (पढ़ें क्लास के बाकी छात्र) कैसे खिलते हैं, इसकी परवाह किए बिना उन्हें बस एक फूल की तरह खिलने दो। किसी क्षेत्र में परफेक्शन के एक स्तर पर पहुंचने के बाद ही बच्चों में प्रतिस्पर्धा की मानसिकता पैदा करें। फंडा यह है कि किसी भी बच्चे में खुद की खोज और आत्मसंतुष्टि की महत्ता को कभी हल्के में न लें। मेरा यकीन करें, जब वह बच्चा खुद अपनी अपनी इच्छाशक्ति से पहचान विकसित करेगा तो आगे चलकर किसी पोएट्री की तरह ही फलेगा-फूलेगा, जैसे इसने कड़क मिजाज बेदी साहब को बनाया। बच्चे जब खुद को खोज लेते हैं तो उत्कृष्टता पा ही लेते हैं।

गज़ल

मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर
लोग साथ आते गए और कारवाँ
देख ज़िंदाँ से परे रंग-ए-चमन जोश-ए-बहार
रक़्स करना है तो फिर पाँव की ज़ंजीर न देख
रोक सकता हमें ज़िंदान-ए-बला क्या मजरूह
हम तो आवाज़ हैं दीवार से छन जाते हैं
तिरे सिवा भी कहीं थी पनाह भूल गए
निकल के हम तिरी महफ़िल से राह भूल गए

स्वामी प्रसाद का परमहंस आचार्य पर पलटवार

बोले - धर्माचार्यों के भेष वाले ये आतंकी और नरपिशाच हैं

एजेंसी

बहराइच। बहराइच पहुंचे सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने अयोध्या के परमहंस आचार्य पर निशाना साधा और कहा कि आपराधिक चरित्र के साधुओं का वास्तविक चेहरा सामने आ रहा है। अपने आप को पीठाधीश्वर कहने वाले लोग अपने असली चेहरे जनता के बीच ला रहे हैं। साधु, संत और धर्माचार्यों के भेष में ये नरपिशाच हैं, आतंकवादी हैं और अपराधी हैं। जिनका आपराधिक चरित्र एक-एक कर जग जाहिर हो रहा है। ये धर्माचार्य का गुण नहीं है। उक्त बातें श्रावस्ती जाने के दौरान मंगलवार रात बहराइच रुके सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। वह बहराइच के सिविल लाइन निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेन्द्र प्रसाद मौर्य के आवास पर कुछ देर के लिए रुके थे। अयोध्या के पीठाधीश्वर परमहंस आचार्य द्वारा स्वामी प्रसाद की हत्या पर 25 करोड़ का ईनाम देने की बात पर पलटवार करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि किसी को गोली मारने के लिए 25 करोड़ की घोषणा करना। जीभ, आंख-कान काटने की सुपारी देना, किसी साधु-संत का चरित्र नहीं हो सकता। ये कुख्यात आपराधिक चरित्र के लोग हैं, जो साधु संत के भेष में खुद को छिपाए हैं। इस प्रकार के बोल बोलने वालों के खिलाफ पुलिस गूंगी-बहरी व अंधी बनकर तमाशा देख रही है। ये योगीराज का जंगलराज है। चूंकि उत्तर प्रदेश में बाबा की सरकार है तो बाबाओं की बल्ले-बल्ले है। इसी लिए बाबाओं के भेष में आपराधिक चरित्र के बाबाओं का हौसला बढ़ा है। वह जानते हैं कि योगीराज में उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता है। यही कारण है कि मुझे गोली मारने वाले को 25 करोड़ की सुपारी का फरमान दिया गया है। साधु संतो को ऐसे बाबाओं को अपने अखाड़े से बाहर कर देना चाहिए।

आजम खां की हो सकती है हत्या

सरकार पर निशाना साधते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार का लोकतंत्र व कानून में विश्वास नहीं है। जब सरकार खुद भाड़े से पुलिस की हिरासत में दो लोगों की हत्या करवा सकती है तो आजम खां की क्यों नहीं करवा सकती। लोकतंत्र बचाने के पक्षधर लोगों को इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए।स्वामी प्रसाद का परमहंस आचार्य पर पलटवार, बोले - धर्माचार्यों के भेष वाले ये आतंकी और नरपिशाच हैं

भाड़ई रेलवे स्टेशन के पास पातालकोट एक्सप्रेस के दो डिब्बों में लगी आग, कई लोग झुलसे; यातायात प्रभावित

एजेंसी

आगरा। आगरा झांसी रेलवे ट्रैक स्थित भांडई रेलवे स्टेशन के नजदीक 14624 पातालकोट एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। एक्सप्रेस फिरोजपुर पंजाब से छिंदवाड़ा जा रही थी। आगरा-झांसी रेलवे ट्रैक पर ट्रेन में लगी आज से चीख पुकार मच गई। आगरा झांसी रेलवे ट्रैक स्थित भांडई रेलवे स्टेशन के नजदीक 14624 पातालकोट एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। एक्सप्रेस फिरोजपुर पंजाब से छिंदवाड़ा जा रही थी। इस दौरान ट्रेन की दो बगियां जलकर खाक हो गई।

लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

इस हादसे में कई लोग झुलस गए हैं। आग लगने के बाद चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की भीड़ भी घटनास्थल पर दौड़ने लगी। ट्रेन में आग लगने के बाद कई किलोमीटर तक धुआं दिखाई दे रहा था। हालांकि, समय रहते दोनों बोगियों में बैठे लोग सुरक्षित बाहर निकल आए, काफी समय तक ट्रेन में आग लगी रही है।

हादसे में कई लोग झुलस गए

इस बीच राजगीर भी काफी परेशान होते हुए नजर आए। झांसी के रहने वाले राहुल झुलस गए और मनोज आगरा से ग्वालियर जा रहे थे। इसी बीच बोगी में आग लग गई और इस हादसे में उनको भी चोट पहुंची है। उनका कहना है कि हादसा बहुत भयानक था। काफी लोग ऊपर सो रहे थे। सभी लोग बाहर निकल आए। लेकिन कुछ लोग झुलस गए हैं। आगरा के शरद जैन घटना की भयावता बताते हुए भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि अपने परिवार के साथ ग्वालियर जा रहे थे। उनके दो बच्चे थे साथ में उनकी पत्नी जैसे ही खिड़की के पास आग लगी तो खुद को और अपने परिवार को बचाने की जद्दोजहद में लग गए। रेलवे के अधिकारी भी घटना पर पहुंच रहे हैं और घटना की जानकारी जुटा रही है। इस हादसे में करीब 10 से 12 लोग झूलने की सूचना है। हालांकि, स्थानीय लोग भी आग पर काबू पाने का भरपूर प्रयास कर रहे थे।

पातालकोट एक्सप्रेस में आग लगने से आगरा-झांसी रेलवे ट्रैक प्रभावित

आगरा रेल मंडल के भांडई स्टेशन के पास फिरोजपुर से सिवनी जा रही पातालकोट एक्सप्रेस के दो कोच में आग लग गई। इसके चलते झांसी-आगरा रेलवे ट्रैक पर यातायात प्रभावित हो गया। वन्देभारत भारत, दुर्ग हमसफर समेत कई ट्रेनों को आगरा स्टेशन पर रोक दिया गया है। आग बुझाने का काम चल रहा है।

एक नज़र

चुनावों के पहले बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने की तैयारी, पावर कॉर्पोरेशन ने प्रस्ताव भी भेजा

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में बिजली के दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे। उपभोक्ता परिषद के विरोध के बाद पावर कॉर्पोरेशन ने फ्यूल सरचार्ज घटाने का प्रस्ताव दिया है। यूपी की जनता के लिए अच्छी खबर है। बिजली की दरें कम की जाएंगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने विरोध के बाद फ्यूल सरचार्ज दर घटाने का प्रस्ताव नियामक आयोग को भेज दिया है। इसके पहले पावर कॉर्पोरेशन ने सर चार्ज दर बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था लेकिन उपभोक्ता परिषद के विरोध के बाद नियामक आयोग ने कॉर्पोरेशन को संशोधित प्रस्ताव देने का निर्देश दिया। अब कॉर्पोरेशन ने संशोधित प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। इसमें फ्यूल सरचार्ज कम किया गया है। उपभोक्ता परिषद ने आयोग को पहले भेजे गए प्रस्ताव का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट तक जाने की धमकी दी थी जिस पर आयोग को विचार करना पड़ा और नया प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया।

पैरा एशियन गेम्स में मेरठ की जैनब खातून ने जीता रजत पदक, प्रदेश की पहली पैरा पावरलिफ्टर हैं जैनब

मेरठ। मेरठ की बेटी जैनब खातून ने पैरा एशियन गेम्स में पावर लिफ्टिंग में सिल्वर मेडल हासिल किया है। 61 किग्रा कैटेगरी में उन्होंने सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। बेटी की जीत पर परिजनों में जश्न का माहौल है। चीन के हांगझोऊ में रविवार से शुरू हुए एशियन गेम्स में मेरठ के खिलाड़ी कमाल कर रहे हैं। बागपत के अंकुर धाम के स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब मेरठ की बेटी जैनब खातून ने पैरा पावर लिफ्टिंग में सिल्वर मेडल हासिल किया है।

प्रदेश की पहली पावरलिफ्टर हैं जैनब खातून

मेरठ के नगला साहू गांव निवासी जैनब प्रदेश की पहली पैरा पावरलिफ्टर हैं। कोच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहीं प्रफुल्ल त्यागी ने उनसे पदक की उम्मीद की थी और वह इस पर खरी उतरी हैं। प्रफुल्ल उन्हें अपने घर पर प्रशिक्षण देती थीं।

जैनब 2022 में नेशनल पैरा पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 70 किलोग्राम भार उठा चुकी हैं। 2023 में विश्व चैंपियनशिप दुबई में उन्होंने 82 किलोग्राम भार उठाकर एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया।

मेरठ से चार खिलाड़ी कर रहे हैं प्रतिभाग

मेरठ से चार खिलाड़ी इन खेलों में प्रतिभाग कर रहे हैं जिनमें तीन एथलीट और एक पावरलिफ्टर हैं। सभी खिलाड़ियों से उनके कोच ने पदक की उम्मीद लगाई है। 22 अक्तूबर से चीन के होंगझाऊ में पर एशियन गेम्स शुरू हुए। इन खेलों में भारत से 303 एथलीट प्रतिभाग कर रहे हैं, जिनमें 191 पुरुष 112 महिलाएं शामिल हैं जो कुल 17 खेलों में प्रतिभाग करेंगे। पिछली बार इन खेलों में भारत को 15 स्वर्ण पदक समेत कुल 72 पदक मिले थे। उत्तर प्रदेश से इन खेलों में 25 सदस्य का दल प्रतिभाग कर रहा है। इनमें मेरठ से चार पैरा खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं, जिनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद है।

दूसरे के घर चोरी करके बनवाया अपना मकान, सीएमओ के घर से उड़ाए थे 15 लाख, पुलिस ने दबोचा

कानपुर। विक्रम उर्फ विक्की ने बताया कि 2022 में सीएमओ के घर में हुई चोरी से संबंधित गहनों को सुरेश सुनार को पंद्रह लाख रुपये में बेचे थे। अपने हिस्से के रुपयो से उसने औरैया में जालौन रोड पर चौबे पेट्रोल पंप के पीछे नया मकान बनवाया है। कानपुर में दूसरे के घरों में चोरी करके अपना आलीशान मकान बनवा रहे शातिर चोर को नौबस्ता पुलिस ने सर्विलांस टीम के साथ मिलकर गिरफ्तार किया है। आरोपी चोरी के आभूषण जिस ज्वेलर के यहां बेच रहे थे, पुलिस ने उसे भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चोरी की वारदातों में शामिल रहने वाले दो फरार अभियुक्तों की तलाश पुलिस कर रही है। इनके पास से चोरी के करीब साढ़े चार लाख रुपए और जेवर बरामद हुए हैं। मोटरसाइकिल भी बरामद की है। एडीसीपी साउथ जोन अंकिता शर्मा ने बताया कि तात्याटोपे नगर मोड के पास हाईवे के अंडर पास के किनारे से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान दबौली में किराए पर रह रहे मूल रूप से औरैया निवासी विक्रम उर्फ विक्की के साथ-साथ रामस्वरूप नगर गुप्ता वाली गली, भोगनीपुर कानपुर देहात निवासी रमेश के रूप में हुई है। दोनों ने यशोदानगर, किदवईनगर में हुई लाखों की चोरी की बात कबूली है।

उड़ते हुए विमान से खेत में गिरे फ्यूल टैंक, एयरफोर्स के जवान और पुलिसकर्मी मौजूद

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के बीकेटी में उड़ते हुए विमान से दो फ्यूल टैंक खेतों में गिर गए। टैंकों के गिरने से तेज धमाके की आवाज हुई। कौतूहलवश ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। राजधानी लखनऊ के बीकेटी स्थित गाजीपुर गांव में हवा में उड़ान भरते एक विमान से दो फ्यूल टैंक नीचे खेतों में गिर गए। ऊंचाई से गिरने के कारण जबरदस्त धमाके की आवाज आई जिसे सुनकर खेतों में काम कर रहे किसान सहम गए। मलबा खाली खेत में गिरने से किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। वहीं, उड़ते हुए विमान से अचानक गिरे फ्यूल टैंक पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की जानकारी पर मौके पर फोर्स के जवान और क्षेत्रीय पुलिसकर्मी पहुंच गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्रमित खून चढ़ाने से 14 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव, अखिलेश यादव बोले - तत्काल जांच कर सख्त से सख्त सजा दें

एजेंसी

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घटना को बेहद गंभीर करार देते हुए इसकी तत्काल जांच करने व दोषियों को सजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था देखने वाला कोई नहीं है। कानपुर में संक्रमित खून चढ़ाने के कारण गंभीर बीमारियों की चपेट में आए बच्चों के मामले पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तत्काल मामले की जांच करने और दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि उत्तर प्रदेश में संक्रमित खून चढ़ाने से 14 बच्चों को एचआईवी और हेपेटाइटिस का संक्रमण होना बेहद गंभीर बात है। इस लापरवाही की तत्काल जांच हो और इस तरह की घातक गलती की सख्त से सख्त सजा दी जाए। उत्तर प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था देखने वाला कोई नहीं है। कानपुर में संक्रमित खून चढ़ने के कारण थैलेसीमिया के 14 पीड़ित गंभीर बीमारियों की चपेट में आ गए हैं। ये हेपेटाइटिस बी, सी के साथ-साथ एचआईवी पॉजिटिव भी पाए गए हैं। हैलट के बालरोग अस्पताल के थैलेसीमिया सेंटर में जब रोगियों की जांच की गई तो संक्रमण पता चला है। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को तीन से चार सप्ताह में एक बार खून जरूर चढ़ता है। इन्हें साल में 18 से 20 बार खून की जरूरत पड़ती है। आशंका है कि विंडो पीरियड में लिए गए खून को चढ़ाए जाने से इन पीड़ितों को संक्रमण हुआ है।

22 जनवरी को नये बने राम मंदिर के गर्भगृह में विराजेंगे रामलला

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तारीख तय हो गई है। 22 जनवरी को रामलला गर्भगृह में विराजेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की जानकारी राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी।

सीएम योगी ने आईसीटी लैब का किया लोकार्पण

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी राष्ट्र को सशक्त बनना है तो उसे समर्थ बनना पड़ेगा और समर्थ बनने के लिए वहां की शिक्षा को संस्कारयुक्त बनाना पड़ेगा। शिक्षा ही हर व्यक्ति के भीतर आत्म अनुशासन की भावना पैदा करने, राष्ट्र के मुद्दों से जुड़ाव व समपर्ण का भाव पैदा करने का सशक्त माध्यम है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर मंडल (देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर व महराजगंज जनपद) के 1086 परिषदीय विद्यालयों के स्मार्ट क्लास एवं 64ब्लॉक संसाधन केंद्रों में आईसीटी (इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन) लैब के लोकार्पण समारोह को संबोधित किया। समारोह में प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के 14360 शिक्षकों को टैबलेट, 3780 को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों को वंडर बॉक्स तथा 1207 दिव्यांग बच्चों को 1980 सहायक उपकरणों के वितरण का भी शुभारंभ हुआ।

शिक्षा शिक्षकों के परिश्रम व पुरुषार्थ पर टिकी है

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के अनुरूप ही व्यक्ति, समाज व राष्ट्र का चरित्र होगा। सशक्त राष्ट्र के निर्माण की बुनियाद शिक्षकों के परिश्रम व पुरुषार्थ पर टिकी है। शिक्षक ही तेजी से देश को नई बुलंदियों तक पहुंचा सकते हैं। गुरु वशिष्ठ, विश्वामित्र, संदीपनी, चाणक्य जैसे आदर्श गुरुजनो का उल्लेख करते हुए कहा मुख्यमंत्री ने कहा, श्रीराम, श्रीकृष्ण और चंद्रगुप्त को बनाने में इनका मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। शिक्षकों को इन आदर्श गुरुओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। एक शिक्षक की

सबसे बड़ी उपलब्धि तब होती है कि जब वह अपने बच्चों को समर्थ और योग्य बनाकर उनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव पैदा करता है। इसके लिए सबको स्वयं मूल्यांकन भी करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अपने कार्यो का मूल्यांकन नहीं करता है तो इसका मतलब वह अपने साथ समाज व राष्ट्र के साथ भी धोखा कर रहा है।

नित नए अलंकरण जोड़ रहा बेसिक शिक्षा विभाग

सीएम योगी ने पिछले छह वर्षों में बेसिक शिक्षा विभाग में हुए आमूलचूल परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विभाग नित नए अलंकरण जोड़ रहा है। कायाकल्प, स्मार्ट क्लास जैसे कार्यक्रमों के बीच हर शिक्षक को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ने की जरूरत है। शिक्षक, विभाग से जुड़े सभी कार्यक्रमों के साथ समय के अनुरूप अपने को जोड़कर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ा पाएंगे तो इसके बेहतर परिणाम हम सबके सामने आएंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों से अपने कार्यो का दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, छमाही व वार्षिक मूल्यांकन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय ऑपरेशन कायाकल्प से आच्छादित हो चुके हैं, जो इक्के दुक्के रह गए हैं, वहां शिक्षक जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों या पुरातन छात्रों से सहयोग ले सकते हैं।

आने वाली पीढ़ी के मार्गदर्शन को तकनीकी रूप से सक्षम होना आवश्यक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षकों को बदलते परिवेश में तकनीकी दृष्टि से भी आगे बढ़ते रहना होगा। इसमें दिया जा रहा टैबलेट काफी सहायक हो सकता है। आने वाली पीढ़ी को नया मार्ग दिखाने के लिए भी तकनीकी रूप से सक्षम होना आवश्यक है। स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब की स्थापना और टैबलेट वितरण कर सरकार इसमें अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि आगे रहने के लिए हमेशा दो कदम आगे बढ़कर सोचना और उसके अनुरूप कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने इंसेफेलाइटिस और उसके नियंत्रण का उल्लेख करने के साथ स्वच्छता को लेकर बच्चों और उनके अभिभावकों को जागरूक करने की भी अपील की। सीएम योगी ने कहा कि अच्छी शिक्षा व्यवस्था वही है जिसमें निरंतर शोध हो। इसी को ध्यान में रखकर प्री प्राइमरी के रूप में आंगनबाड़ी केंद्रों को भी जोड़ा जा रहा है। जब तीसरे साल से ही बच्चा इन केंद्रों पर आएगा तो पांचवें साल स्कूल जाने पर उसे दिक्कत नहीं होगी।

सरकार की योजनाओं से बच्चों को जोड़ें शिक्षक

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षक केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं को बेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों के साथ जोड़ सकते हैं। खासकर छात्रवृत्ति व कन्या सुमंगला योजना को। उन्होंने बताया कि बेटी के जन्म से लेकर पढ़ाई के अलग अलग चरणों मे कुल 15 हजार रुपये के पैकेज वाली कन्या सुमंगला योजना की धनराशि नए सत्र में बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टाइम पास तो सबका हो जाता है।

मीट के अवशेष खुले में फेंकने पर दो पक्षों में हाथापाई, पुलिस के सामने धक्का-मुक्की, मुकदमा दर्ज

एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में अकराबाद थाना क्षेत्र के कस्बा पिलखना में एक मीट विक्रेता की दुकान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया। जिसमें पुलिस द्वारा महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की की बात कही गई। मामले पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अलीगढ़ में अकराबाद थाना क्षेत्र के कस्बा पिलखना में 24 अक्तूबर की सुबह पशु काटने के बाद खुले में मीट के अवषेश डालने को लेकर दो परिवारों के बीच कहासुनी व हाथापाई हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर दोनों पक्ष के लोगों से मामले की जानकारी की, तो एक पक्ष की महिलाओं ने पुलिस के सामने दूसरे पक्ष के साथ गाली-गलौज व धक्का-मुक्की कर दी। थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पशु को काटने वाले व खुले में अवषेश डालने पर चार आरोपियों के खिलाफ पशु क्ररूरता एवं गाली-गलौज करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है। मामले के संबंध में सीओ बरला सर्जना सिंह ने बताया कि पिलखना के मोहल्ला बजरिया पठानान निवासी मोहम्मद नौशाद पुत्र इदरीस खां ने 24 अक्तूबर की सुबह पुलिस को एक प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें लिखा था कि उसके पड़ोस में कुछ लोग अवैध तरीके से पशुओं को काटकर उनके अवषेशों को खुले में फैंक देते हैं। जिससे आसपास के अन्य लोगों को काफी परेशानी होती है। पीड़ित की शिकायत पर जब पुलिस मौके पर जांच करने पहुंची, तो आरोपी पक्ष के लोग वहां से गायब हो गए। आरोपियों की महिलाओं ने पुलिस के सामने पीड़ित पक्ष के परिजनों के साथ हाथापाई करते हुए धक्का-मुक्की करना शुरू कर दिया। जिसे देखकर पुलिस ने धक्का-मुक्की कर रहीं महिलाओं को वहां से हटा दिया। सीओ सर्जना सिंह ने बताया कि पशु काटने वाले आरोपी पुराने हिस्ट्रीशीटर एवं आपराधिक किस्म के व्यक्ति हैं। पीड़ित नौशाद की तहरीर पर धक्का-मुक्की व गाली गलौज करने के आरोपों समेत पशु क्ररूरता एवं महामारी अधिनियम के तहत चार आरोपी मुफीद, इरफान, महंदी हसन व मुशीर पुत्रगण बुंदा खां के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों द्वारा पुलिस पर लगाए गए रिश्वत एवं मारपीट करने के सभी आरोप निराधार हैं।

आदिकेशव घाट पर शवदाह करने आए युवक की गंगा में डूबने से मौत, मचा कोहराम

एजेंसी

वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौराकला की लखराव बस्ती का रहने वाला लाले राजभर (34) वर्ष मंगलवार की दोपहर गांव के एक व्यक्ति की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए आदिकेशव घाट गया था। अंत्येष्टि के बाद वह ग्रामीणों के साथ गंगा में स्नान करने लगा। उसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। आदिकेशव घाट पर शवदाह के बाद गंगा में स्नान कर रहा युवक पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में जाकर डूब गया। आदमपुर थाने की पुलिस की सूचना पर आए एनडीआरएफ के गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक का शव बाहर निकला। चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौराकला की लखराव बस्ती का रहने वाला लाले राजभर (34) वर्ष मंगलवार की दोपहर गांव के एक व्यक्ति की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए आदिकेशव घाट गया था। अंत्येष्टि के बाद वह ग्रामीणों के साथ गंगा में स्नान करने लगा। उसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। काफी देर तक जब वह ऊपर नहीं आया तो गांव के लोगों ने उसे खोजने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पाकर आदमपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम को बुलाया और कड़ी मशक्कत के बाद शव पानी से बाहर निकाला गया। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि लाले चार भाइयों में सबसे बड़ा था। तीन बेटियों और एक बेटे का पिता लाले मजदूरी कर परिवार चलाता था।

चमका बाजार, सोने-चांदी से लेकर वाहन के साथ खूब बिकीं साड़ियां

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले में मंदे पड़े कारोबार को नवरात्र में खूब रफ्तार मिली। सराफा बाजार से लेकर ऑटोमोबाइल तक हर क्षेत्र में बाजार खूब दौड़ा। नवरात्र में करवा चौथ के लिए महिलाओं ने साड़ियों की भी खरीदारी की। व्यापारियों के मुताबिक, इन नौ दिनों में जिले में करीब 50 करोड़ का कारोबार हुआ है।

पहले बरसात और फिर श्राद्ध पक्ष की वजह से बाजार मंद रहा। नवरात्र की शुरुआत से ही नौ दिन तक मोटर साइकिल शोरूम से लेकर, सराफा व्यापार के अलावा अन्य प्रतिष्ठानों पर जमकर बिक्री हुई। व्यापारियों की मानें तो इस बार आटोमोबाइल सेक्टर में इन नौ दिनों के अंदर 15 से 20 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ। वहीं सोना भी खूब चमका। इस बार करीब 20 करोड़ रुपये का सराफा व्यापार होना बताया जा रहा है। इसके अलावा अन्य प्रतिष्ठानों में पर 10 करोड़ से ज्यादा की खरीददारी की गई। इनमें सहालग को लेकर खरीदा गया सामान भी शामिल है। व्यापारियों का कहना है कि इन नौ दिनों में व्यापार उम्मीद से काफी अच्छा रहा, आगे धनतेरस और दीपावली पर भी व्यापार अच्छा होने की उम्मीद है।

24 एलकेएच 41

सोने के साथ हीरे का कारोबार भी रहा अच्छा

कचहरी रोड स्थित सौभाग्य ज्वेलर्स के मालिक शिवम बताते हैं कि पिछले बार से इस बार नौ दिन व्यवसाय काफी अच्छा रहा। हालांकि इस बार सोने के दाम बढ़ने का भी बाजार पर कुछ प्रभाव पड़ा है। सोने के साथ हीरे का कारोबार उम्मीद से

काफी अच्छा रहा। पूरे जिले से इस बार करीब 20 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है।

इस सीजन 50 करोड़ पार कर जाएगा ऑटोमोबाइल कारोबार

एलआरपी रोड स्थित यूएस बजाज के मालिक अंकित बताते हैं कि पहले दो दिन में ही करीब 60 गाड़ियों की डिलीवरी हुई थी, जबकि शोरूम पर हर रोज ग्राहकों की भीड़ लगी रही। इन नौ दिन में जिले से करीब 20-25 करोड़ रुपये के कारोबार होने की उम्मीद है। मौजूदा समय में कर्मचारियों ने धनतेरस और दीपावली के लिए बुकिंग करनी प्रारंभ कर दी है। माना जा रहा है कि दोनों पर्वों में करीब 50 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है।

श्राद्ध के बाद आई कॉस्मेटिक के कारोबार में तेजी

नहरिया रोड स्थित नवीन फैशन स्टोर के मालिक नवीन ने बताया कि श्राद्ध के दिनों में महिलाएं नए वस्त्र, जेवर सहित साजसज्जा का सामान खरीदने से कतराती हैं। ऐसे में नवरात्र से पहले दिन से ही कपड़ा व्यापार के अलावा कॉस्मेटिक सहित अन्य सामानों की जमकर बिक्री हुई। जिले से इस बार कपड़ा व्यापार पहले से काफी बढ़िया रहा है। आने वाले पर्वों में भी अच्छा व्यापार होने की संभावना है। बताया कि बार करीब 10 करोड़ रुपये का कपड़ा व्यापार होने की उम्मीद है।

लखीमपुर और शाहजहांपुर के टॉपर बच्चों को विद्यादान पुरस्कार

एजेंसी

शाहजहाँपुर। विद्यादान पुरस्कार से सम्मानित बच्चे और उनके अ?भिभावक राजा विजयशाह जूदेव के साथ। खुटार। खुटार के राजभवन में राजा विजय शाह जूदेव ने मंगलवार को गोला और पुवायां तहसील के नौ मेधावी छात्र-छात्राओं को रानी चंदेली देवी स्मृति विद्यादान पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में शामिल राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने कहा कि इससे बच्चों को आगे की कक्षाओं में और भी बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी। राजा विजय शाह जू देव ने कहा कि कई वर्षों से बच्चों को विद्यादान पुरस्कार दिया जाता है। मेधावी बच्चों को आगे बढ़ाने का काम जारी रहेगा। उन्होंने लखीमपुर में इंटरमीडियट की टॉपर शांभवी वर्मा, जिले में तीसरे स्थान पर रहे सक्षम कुशवाहा, हाईस्कूल में लखीमपुर की टॉपर अपूर्वा शर्मा, दूसरे स्थान पर रहे वेदांत शर्मा को दो- दो हजार रुपये का चेक और सम्मान पत्र प्रदान किए। शाहजहांपुर में इंटरमीडिएट में जिले में दूसरे स्थान पर रहे शुभम पांडे, सातवें स्थान पर रहीं वंशिका, हाईस्कूल में जिले में प्रथम स्थान पर रहीं वंशिका गंगवार, दूसरे स्थान पर रहे राहुल कुशवाहा और गांव लालपुर की अनुप्रिया को दो-दो हजार रुपये और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

एक नज़र

चंदन लाल विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में प्रश्नमंच व खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई

लखीमपुर खीरी। चंदन लाल विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज भौनापुर में प्रश्नमंच व खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में पसगवां सीएचसी के अधीक्षक अश्वनी वर्मा व धर्मेश शर्मा उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत माँ शारदे के सम्मुख दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन करके व ध्वजारोहण करके हुई प्रश्नमंच प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 के भईया बहनों ने प्रतिभाग किया तथा खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, खो खो ,में कई टीमों में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता में प्रतिभागी भईया बहनों को अतिथियों द्वारा मैडल पहनाकर पुरुस्कृत किया गया आज के इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक सुरजनलाल वर्मा,प्रधानाचार्य मनोज वर्मा ,उप प्रधानाचार्य बृजसिंह कुशवाहा,परमेश्वदीन जी ,कार्यालय प्रमुख रामनिवास वर्मा समेत समस्त आचार्य बंधु व भईया बहन उपस्थित रहे ।कक्षा 10 की प्रश्नमंच प्रतियोगिता में 11 में 11 अंक प्राप्त करके भैया अंशुल वर्मा,अमन कुमार,आनंद कुमार ने प्रथम स्थान व 11 में 8 अंक प्राप्त करके भईया रजनीश कुमार,रामदेव,अर्चित सिंह ने द्वितीय स्थान व 11 में 7 अंक प्राप्त कर बहन पूनम वर्मा,गुंजनलता, अपर्णा वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।तथा कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में नेहा राठौर, अंशिका वर्मा,शिज़ा पटेल ने प्रथम स्थान ,रमन वर्मा ,रामू राठौर,अरुण कुमार ने द्वितीय व काजल वर्मा,सरिता देवी,नीतू वर्मा,राजीव यादव,कुलदीप कुमार,यदुराज सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

सांसद एवं विधायक ने दिव्यांगजनों वितरित किए नि:शुल्क सहायक उपकरण

लखीमपुर खीरी। दिनांक 24 अक्टूबर 2023 को केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा के द्वारा जिला सहकारी बैंक लखीमपुर खीरी के प्रांगण में दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरित किया गया। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के द्वारा आज हमारे जनपद लखीमपुर में दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराना भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य है।जिससे हर एक दिव्यांगजन इन उपकरणों के सहारे सामाजिक परिवेश में शामिल हो सके।उक्त नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में 14 ट्राइसाइकिल,14 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल,07 वाकिंग स्टीक के साथ 5 बी0टी0ई0 (कान की मशीन), 6 फोल्डिंग व्हील चेयर के साथ दिव्यांगजनों को वितरित किए गए।इस कार्यक्रम में सदर विधायक योगेश वर्मा, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विनीत मनार,सांसद प्रतिनिध अरविन्द सिंह 'संजय' सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र त्रिपाठी 'जीतू' एड0, सांसद प्रवक्ता अम्बरीष सिंह,मुन्ना लाल अवस्थी सांसद प्रतिनिधि, सांसद प्रतिनिधि दीपक तलवार, सतीश चौधरी, बीटू शुक्ला, राहुल चौरसिया, सुरेन्द्र कश्यप, मधुकर एवं मयंक कश्यप सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बाबा बुड्ढा साहब जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

बांकेगंज खीरी। बाबा बुड्ढा साहब जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। बाबा बुड्ढा जी का जन्म सन 1506 में अमृतसर जिले के गांव कथुनंगल में हुआ था। बाबाजी ने अपना जीवन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को समर्पित किया। अमृतसर के प्रथम हेड ग्रंथि की सेवा निभाने वाले बुड्ढा जी की याद में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बांकेगंज स्थित उनके गुरुद्वारे पर वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। कस्बा स्थित बाबा बुड्ढा जी के गुरुद्वारे पर उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा को फूल माला और बिजली की झालरों से सजाया गया और मेले का आयोजन किया गया एवं पंजाब दिल्ली महंगापुर से आए कलाकारों ने संगत पाठ किया बाबा बुड्ढा जी साहब जी के जन्मदिन के मौके पर लंगर का भी आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम महंगापुर के बाबा जी श्री गुरु नाम सिंह जी के सहयोग से किया गया। चोला साहब पंजाब से आए कथावाचक ज्ञानी हरजीत सिंह, डाढी चण्डीगढ़ से मिल्खा सिंह, सुच्चा सिंह डेरा पठाना पंजाब से, गुरदेव सिंह हजूरी रागी जत्था रुद्रपुर से, हीरा सिंह हजूरी जत्था महगापुर से आये थे। जिन्होंने अपने प्रवचन से संगत को निहाल किया। महंगापुर से बाबा गुरनाम सिंह ने बाबा बुड्ढा जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। बाबा गुरुनाम सिंह ने श्रद्धालुओं से विनती की कि वे संगत में नशापानी करके न आयें।

सर्वश्रेष्ठ काव्य लेखन के लिए काव्य कुमुद साहित्यिक मंच द्वारा कुमुद सम्मान पत्र से किया सम्मानित

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। सर्वश्रेष्ठ काव्य लेखन के लिए काव्य कुमुद साहित्यिक मंच द्वारा राम मोहन गुप्त को काव्य कुमुद सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया है।सितम्बर माह के द्वितीय उत्तरार्ध में काव्य कुमुद साहित्यिक मंच द्वारा आयोजित काव्य लेखन प्रतियोगिता मेरी लेखनी मेरी पहचान के अंतर्गत प्रदत्त विषय गणपति बप्पा में सर्वश्रेष्ठ काव्य लेखन के आधार पर नगर के राम मोहन गुप्त को काव्य कुमुद मंच की संस्थापिका ममता त्रिपाठी द्वारा विशिष्ट सम्मान पत्र प्रदान किया गया है।श्री गुप्त को इससे पूर्व भी विभिन्न साहित्यिक मंचों से अनेकों सम्मान प्राप्त हो चुके हैं जिनमें बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति का साहित्य गौरव, हिन्दी गौरव एवं देवनागरी सम्मान, कथाकुंज साहित्यिक सेवा परिषद का कथाकुंज साहित्य रत्न एवं कथाकुंज काव्य रत्न, बेटियां मंच का हिन्दी लेखक सम्मान,भूंज की कलम का अनंता सम्मान, शब्दों की दुनिया का साहित्य सागर शब्द सारथी व शानदार शायर सम्मान,ईवा जिंदगी का काव्य सृजन एवं काव्य कुमुद साहित्यिक मंच का सर्वश्रेष्ठ रचनाकार आदि प्रमुख हैं। इसी के साथ सृजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित ज़िंदगी और प्रेम और हम रूह प्रकाशन की पुस्तक रिश्तों की महक के सह लेखक के रूप में भी सराहा गया है। स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त, समाजसेवी, प्रशिक्षक एवं साहित्यकार राम मोहन गुप्त की स्वयं को जाने पर आधारित प्रेरक कोट्स युक्त एक पुस्तक %तू ही तेरा सारथी% भी प्रकाशित हो चुकी है और वर्तमान में श्री गुप्त का एक काव्य संग्रह भी शीघ्र ही प्रकाशित होने की प्रक्रिया में है।राम मोहन गुप्त %अमर% और %रामत्व% के नाम से साहित्यिक साधना कर रहे श्री गुप्त को प्राप्त उपरोक्त सम्मान के लिए कमलेश धुरंधर, डा आशुतोष गुप्त, अभिषेक गुप्त, अजय गुप्त लकी, सुनील कुमार गुप्त, तरुण साहू, गोविंद गुप्त, अजय शर्मा, सुनील कुमार त्रिवेदी, देवकी नंदन मालपानी, अनिल सिंह, पीयूष अग्रवाल, अनिल श्रीवास्तव, अचल श्रीवास्तव, दीप सहगल, डा वी बी धुरिया, डा विवेक तिवारी, हेमंत कुमार गुप्त हेमू, पंकज कृष्ण शास्त्री, राहुल तिवारी सनातन, राज कुमार सक्सेना, प्रवीण गुप्ता, राजेश चंद्र तिवारी, विनीत दीक्षित, एस बी तिवारी, रोहिताश्व, सुमन श्रीवास्तव, आरती गुप्ता, श्रुति गुप्ता, रूपम गुप्ता सोनी, आरती श्रीवास्तव, कंवलजीत चावला, कविता अग्रवाल, समीक्षा टंडन, सौरभ गुप्ता, उत्कर्ष श्रीवास्तव, राहुल माथुर, अर्जित अग्रवाल, ह्रितिक साहू आदि ने अपनी शुभेच्छाएं देते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

तेज बुखार से महिला की मौत, डेंगू की आशंका

बरवर। मोहल्ला मौलवीगंज में मंगलवार को तेज बुखार की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। घरवाले डेंगू बुखार से मौत होने की आशंका जता रहे हैं। जयलाल ने बताया कि 43 वर्षीय पत्नी गुड्डी देवी को दो दिन पहले तेज बुखार आया था। इस पर पहले बरवर में ही इलाज कराया गया। फायदा न मिलने पर मोहम्मदी के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। वहां भी राहत न मिलने पर मंगलवार को पत्नी को शाहजहांपुर लेकर जा रहे थे। मगर, रास्ते में हुई पत्नी गुड्डी देवी की मौत हो गई। मृतका के पति ने बताया की दो दिन में ही बुखार से पत्नी की जान चली गई। जयपाल का कहना है कि बुखार काफी तेज आया था। इससे डेंगू होने की संभावना लग रही थी।

शारदीय पूर्णिमा मेला एवं श्री विष्णु महायज्ञ व राम कथा का आयोजन।

संवाददाता

इमलिया सुल्तानपुर/ सीतापुर। विकास क्षेत्र एलिया के कस्बा इमलिया सुल्तानपुर में विगत वर्षों की भांति सनातन धर्म कमेटी के द्वारा दिनांक 27अक्टूबर दिन शुक्रवार से दिनांक 31अक्टूबर दिन मंगलवार तक पंच दिवसीय विशाल व भव्य मेले का आयोजन करवाया जाएगा। मेला धार्मिक कमेटी के मुख्य कार्यकारी संरक्षक श्री सत्यपाल सिंह व कार्यवाहक अध्यक्ष श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ पप्पू सिंह सोमवंशी ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 27अक्टूबर दिन शुक्रवार से मेला शरद पूर्णिमा का विशाल आयोजन करवाया जा रहा है। जिसमें कस्बे के अन्दर स्थित बाबा तुरंती नाथ मंदिर के प्रांगण से अनेक देवी देवताओं की मनमोहक झांकियों को सजाकर जुलूस के रूप में देवी माता मंदिर से होते हुए पूरे कस्बे सहित सीतापुर-कस्ता गोला के मुख्य मार्ग से मेला मैदान तक जुलूस निकाला जाएगा। वहीं मेले में सुदूर अंचलों से आए हुए बेहतरीन व कुशल कलाकारों के द्वारा दिन में रामलीला मंचन की प्रस्तुती होगी तथा लगातार पंच रात्रि तक नाटक मंचन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इसी क्रम में1नवंबर दिन बुधवार से 10 नवंबर दिन शुक्रवार तक इसी पावन भूमि के निकट स्थित यज्ञशाला पर विश्व शांति, मानव कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, व मनुष्य के सुखमय जीवन के लिए श्री विष्णु महायज्ञ व संगीतमयी श्री राम कथा का भी आयोजन किया जाएगा। यज्ञ संकल्पित मुख्य यजमान श्री रोहित सिंह(राहुल) पुत्र विजय पाल सिंह सुपौत्र स्व. पदमनाभ सिंह (सरपंच) के द्वारा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया गया कि पू.सन्त श्री मनोज ब्रह्मचारी जी महाराज सच्चा आश्रम प्रतापगढ़ के द्वारा 1नवंबर दिन बुधवार को प्रातः 8बजे से9बजे तक पूजन अर्चन कर शोभा यात्रा(कलश यात्रा) निकाली जाएगी। तत्पश्चात प्रत्येक दिन प्रकांड ब्राह्मणों वआचार्यों के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ 2लाख 60हजार आहुतियों के माध्यम से समस्त विश्व कल्याण की कामना की जाएगी। इसी कार्यक्रम के साथ प्रत्येक दिन 1बजे से सायं 5बजे तक श्री वृंदावन धाम से आए हुए कथा प्रवक्ता पंडित श्री दिलीप कृष्ण भारद्वाज जी महाराज के मुखार बिंदु से संगीतमय श्री राम कथा का रसपान भी कराया जाएगा। 10नवंबर दिन शुक्रवार को सायं 4बजे से कार्यक्रम समापन के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन व प्रसाद वितरण किया जाएगा। कस्बे में एक ही स्थान पर लगातार 15दिन तक धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र के सभी छोटे व बड़े व्यवसाईयों में खुशी का माहौल है । धार्मिक कार्यक्रम के आयोजनकर्ता व समस्त कस्बा निवासियों ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि वह इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग लेकर पुण्य के भागी बने।

दुर्गा पूजा के समापन के अवसर पर महिलाओं ने किया गरबा

संवाददाता

बांकेगंज खीरी । स्थानीय कस्बा बांकेगंज के राधा कृष्ण मंदिर में पिछले कई दिनों से चल रहे हैं दुर्गा पूजा के समापन के अवसर पर महिलाओं ने गरबा नृत्य सैकड़ो महिलाओं ने अपनी सहभागिता निभाई । स्थानीय कस्बा बांकेगंज मैं पिछले 35 वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन अनवरत किया जा रहा है। मंगलवार की शाम सैकडों की संख्या में महिलाएं राधा कृष्ण मंदिर के प्रांगण में मौजूद रही और उन्होंने गुजरात के प्रसिद्ध नृत्य गरबा का आयोजन किया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को कमेटी के सदस्यों द्वारा महिलाओं को आमंत्रित किया गया था। उसके बाद माता रानी की आरती की गई। माता रानी के पूजन के अंतिम रात जानकार क्षेत्र के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उससे पहले सोमवार को हवन पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था।

औरंगाबाद के हरद्वारी लाल बने अध्यक्ष मुरारी लाल बने मंत्री

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। अखिल भारतीय श्री हरद्वारी वैश्य महासभा की एक बैठक कस्बा औरंगाबाद के ठाकुरद्वारा मंदिर के परिसर में हुई जिसमें औरंगाबाद निवासी स्व0 नवलकिशोर गुप्ता की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर ईस्वर से प्रार्थना की गई, इसके पश्चात अखिल भारतीय महासभा के संरक्षकों की सहमति और अध्यक्ष व कार्यकारणी के प्रयास से अखिल भारतीय श्री हरद्वारी वैश्य महासभा की औरंगाबाद इकाई का आमसभा की सर्वसहमति से गठन किया गया,हरद्वारी लाल को गुप्ता को अध्यक्ष,मुरारीलाल गुप्ता को महामंत्री, राममूर्ति गुप्ता को संयोजक,संजय गुप्ता को कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता,लक्ष्मी नारायण गुप्ता, दिनेशरण गुप्ता, मंत्री बृजमोहन गुप्ता, पवन गुप्ता, मुन्नालाल गुप्ता, शिवशरण उर्फ मनी, संगठन मंत्री प्रेमकुमार गुप्ता, डॉ अंकुर गुप्ता, मिडिया प्रभारी योगेश गुप्ता, मदन गोपाल गुप्ता को बनाया गया। इसके पश्चात औरंगाबाद इकाई के अध्यक्ष हरद्वारी लाल गुप्ता ने अखिल भारतीय श्री हरद्वारी वैश्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अश्वनी गुप्ता का माल्यार्पण कर स्वागत किया व श्रीराधाकृष्ण का चित्र देकर सम्मानित किया, इस अवसर पर मैगलगंज हरद्वारी वैश्य समाज के पूर्व महामंत्री श्री देवेश गुप्ता, व लखीमपुर के श्री अनुज गुप्ता के साथ अन्य स्थानीय स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

सर्राफा व्यापारी के यहां हुई चोरी की घटना में मैलानी पुलिस के तीसरे दिन भी हाथ खाली

संवाददाता

मैलानी खीरी।कस्बा मैलानी में शनिवार की रात सर्राफा व्यापारी के यहां हुई चोरी की घटना में मैलानी पुलिस के तीसरे दिन भी हाथ खाली रहे,पुलिस चोरों के बारे में कोई सुराग हासिल नहीं कर सकी है।बीती शनिवार की रात मैलानी कस्बे के मैन बाजार में हुई चोरी में चोर साढे तीन लाख रुपये के सोने एवं चांदी आभूषण सहित दुकान के सीसी कैमरो का डीवीआर उठा कर ले गये थे,पड़ोस की किराना व्यापारी कृष्ण कुमार अग्रवाल के यहां ताले तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था वही थोड़ी दूर पर स्थित देसी शराब की दुकान का शटर तोड़कर गल्ले में रखी नगदी एवं वायरलेस कैमरा उखाड़ कर ले गए थे।हालांकि पुलिस अधिकारी जल्द खुलासे की बात कह रहे हैं।सोमवार की शाम मैलानी पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला प्रवीण यादव द्वारा मैलानी पुलिस बल के साथ कस्बे में पैदल गस्त की गई एवं पीड़ित व्यापारियों सहित व्यापार मंडल पदाधिकारी से मुलाकात कर चोरी की घटना को शीघ्र खुलासा करने का भी आश्वासन दिया।शनिवार की रात चोरों ने मैलानी थाना क्षेत्र के ग्राम जवाहरपुर निवासी सचिन सोनी की मैलानी कस्बे के मैन रोड स्थित ज्वेलरी की दुकान,नरेश यादव की पलिया रोड स्थित ठेका देशी शराब की दुकान सहित कृष्ण अग्रवाल की किराने की दुकान को निशाना बनाया था जिसमें चोर दो दुकानों पर ही चोरी करने में कामयाब हो पाये थे एवं किराने की दुकान के केवल ताले ही तोड़ पाए थे, 21 दिन पहले बीती 30 सितंबर कस्बे में पांच दुकानों का ताला तोड़ दिया गया था,फिर भी मैलानी पुलिस ने उस घटना को गंभीरता से ना लेते हुए कस्बे में गस्त बढ़ाना उचित नहीं समझा था,पुलिस की लापरवाही के चलते 1 महीने के अंदर चोरी की दूसरी घटना होने से कस्बे के व्यापारियों का मैलानी पुलिस के प्रति आक्रोश फैला हुआ है।सीओ गोला प्रवीण यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र एवं आसपास के कुछ संदिग्धों को पकड़ा गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है शीघ्र ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद, पांडियन को कैबिनेट में नियुक्त किया गया

संवाददाता

भुबनेर्स्व। भि के पाडीयन् नाम् को लेक ओदिशा राजनिति ऊपर निचे हो रहा है । भीआरस् लेने के बाद क्या बनेंगे , कुछ बोल रही थी संगंठन सम्पादक् होगि औ कुछ् बोल् रहे थे ।लेकिन् उन् को 5टी और नवीन ओडिशा के चेयरमैन बना गिया । भिआरएस के बाद पांडियन को चेयरमैन नियुक्त किया गया है. पांडियन मुख्यमंत्री के अधीन काम करेंगे. उन्हें कल स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दे दी गई. बीती 20 तारीख को उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए केंद्र में आवेदन किया था.यूनिवर्सल सर्विस एक्ट की धारा 16(2ए) को मंजूरी दे दी गई है.2000 बैच के आईएएस अधिकारी वीके पांडियन ने सरकारी नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है और अब 5टी और नवीन ओडिशा के अध्यक्ष का पद संभाला है। पांडियन के वीआरएस को कल केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने मंजूरी दे दी। कार्मिक मंत्रालय ने जीए विभाग को लिखे पत्र में एसीएस को सूचित किया है। श्रम मंत्रालय के अवर सचिव भूपिंदर पाल सिंह ने कल राज्य लोक प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र लिखा। दूसरी ओर, पांडियन के वीआरएस को लेकर राज्य की राजनीति ऊपर-नीचे हो रही है।

बलाचौर में कांग्रेस पार्टी कार्यालय में अजय मंगूपुर जिला अध्यक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में सफेद रावण जलाया।

संवाददाता

नवांशहर /बलाचौर । आम आदमी पार्टी के समय में पंजाब में नशाखोरी फिर से बढ़ गई, इस बात का खुलासा शहीद भगत सिंह नगर के जिला अध्यक्ष अजय मंगूपुर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान किया. दशहरे के मौके पर जिला अध्यक्ष अजय मंगूपुर के नेतृत्व में बलाचौर स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय में सफेद रावण जलाया गया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान नशे पर काफी हद तक रोक लगी थी, लेकिन आप सरकार के दौरान पंजाब में नशे का संकट फिर लौट आया है। आप सरकार की ढिलाई के कारण घर-घर में नशा बिक रहा है, इस नशे ने मां से बेटा और बहन से भाई खो दिया है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से नशा खत्म करने का वादा किया था, लेकिन वे ही नशे को बढ़ावा दे रहे हैं। बेरोजगारी की जड़ें पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करती दिख रही हैं, पंजाब के युवा या तो नशे की ओर रुख कर रहे हैं या पंजाब से बाहर भाग रहे हैं। अजय मंगूपुर ने पंजाबियों से कहा कि अगर हमें पंजाब से नशे को खत्म करना है तो सबसे पहले यहां से आम आदमी पार्टी की सरकार को भगाना होगा। इस अवसर पर मंगूपुर जिला अध्यक्ष शहीद भगत सिंह नागर, धर्मपाल अध्यक्ष ब्लॉक समिति बलाचौर और सदस्य डीसीसी, राजिंदर सिंह शिंदी कार्यालय सचिव डीसीसी, रिकी बजाज कोषाध्यक्ष डीसीसी, देस राज हकला सदस्य डीसीसी, केवल कृष्ण उपाध्यक्ष डीसीसी, लाल बहादुर गांधी पार्षद , नरेश चेची पार्षद, बॉबी राणा पार्षद, कुलदीप सरपंच निमठी, मंगा राणा पार्षद, हरमेश लाल सरपंच, धर्मवीर टकारला, सोमनाथ , पानी कुमार, बलविंदर कुमार, तरलोचन सिंह रक्कड़, अजीत पाल सदस्य ब्लॉक समिति सरोआ, परमजीत सिंह मुजारी सदस्य ब्लॉक समिति सरोआ, सोहन सिंह खंडूपुर आदि मौजूद थे।

मुक्तसर में धूं-धूं कर जल उठे रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद, बुराई पर अच्छाई

एजेंसी

मुक्तसर (पंजाब)। श्री राम सेवा समिति के प्रधान रमन गिरधर ने बताया कि दशहरा पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। दशहरा समारोह देखने के लिए भारी संख्या में जिले भर से लोग पहुंचे हुए थे। उन्होंने बताया कि इस बार 65-65 फीट के रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले बनाए गए थे,जिनका दहन किया गया है। मुक्तसर में मंगलवार को दशहरा उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। श्री राम सेवा समिति की ओर से सरकारी कॉलेज के खेल स्टेडियम में आयोजित दशहरा उत्सव में विधायक जगदीप सिंह काका बराड़, डीआईजी अजय मलूजा, डिप्टी कमिश्नर डॉ. रूही दुग, एसएसपी भागीरथ सिंह मीना बतौर मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल हुए। उत्सव दौरान आगरा के कारीगरों द्वारा तैयार 65-65 फुट ऊंचे रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। पुतलों को शाम छह बजे अग्निभेंट किया गया। इस मौके पर रामायण से संबंधित विभिन्न तरह की झांकियां निकाली गई और प्रभु श्री राम व माता सीता के नाम के जयघोष लगाए गए। वहीं कलाकारों द्वारा प्रभु श्री राम व रावण के बीच युद्ध का मंचन किया गया। विधायक जगदीप सिंह काका बराड़ ने कहा कि दशहरा पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। सभी को बुराई का डटकर सामना करना चाहिए। सच्चाई की हमेशा जीत होती है। डीसी डॉ. रूही दुग ने कहा कि दशहरा पर्व की गरिमा को देखते हुए हमें प्रभु श्री राम जी के बताएं मार्ग पर चलना चाहिए। वहीं डीआइजी अजय मलूजा व एसएसपी भागीरथ सिंह मीना ने जिले के लोगों को दशहरा पर्व की मुबारकबाद दी। श्री राम सेवा समिति के प्रधान रमन गिरधर ने बताया कि दशहरा पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। दशहरा समारोह देखने के लिए भारी संख्या में जिले भर से लोग पहुंचे हुए थे।

एक नज़र

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज, 25 लाख देने की कही थी बात

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर आचार संहिता का मामला दर्ज कर लिया गया है। एक वीडियो सामने आने के बाद शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिस पर ये कार्रवाई की गई है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर आचार संहिता का मामला दर्ज कर लिया गया है। एक वीडियो सामने आने के बाद शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिस पर ये कार्रवाई की गई है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू है। प्रशासन आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कर रहा है। आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत मिलने के बाद सागर की सुरखी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी और वर्तमान में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के ऊपर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। मंत्री गोविंद के खिलाफ एक वीडियो सामने आने के बाद शिकायत दर्ज कराई हैं। बता दें कि गोविंद सिंह राजपूत सुरखी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी है, और गांव-गांव में उनका जनसंपर्क चल रहा है। जनसंपर्क के दौरान सुरखी विधानसभा के हिरनखेड़ा गांव में लोगों को भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि आप अपना वोट खराब ना करें और मुझे वोट दें। हमने घोषणा भी की है कि जो पोलिंग सबसे ज्यादा वोट से जीतेगी, उसे 25 लाख रुपए की राशि दी जाएगी। भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत का वीडियो वायरल होने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी को ईमेल से शिकायत की गई और व्हाट्सएप पर वीडियो दिया गया। इसमें जांच के बाद आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है।

रक्तदान के बाद संदिग्ध हालत में मनीष की मौत, शव के साथ परिजन धरने पर बैठे

रोहतक (हरियाणा)। सोनीपत के गांव मुढ़लाना निवासी 30 वर्षीय मनीष ने सोमवार को रोहतक के एक निजी अस्पताल में रक्तदान किया था। रक्तदान के बाद मनीष अपने घर पर चला गया। यहां उसकी तबीयत खराब हो गई। इस कारण परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। रोहतक के शीला बाइपास स्थित एक निजी अस्पताल में मंगलवार शाम परिजनों ने हंगामा कर दिया। यहां रक्तदान के बाद सोनीपत के युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। इससे गुस्साए परिवार ने अस्पताल के बाहर सड़क पर शव रख धरना शुरू कर दिया। जानकारी के मुताबिक, सोनीपत के गांव मुढ़लाना निवासी 30 वर्षीय मनीष ने सोमवार को रोहतक के एक निजी अस्पताल में रक्तदान किया था। रक्तदान के बाद मनीष अपने घर पर चला गया। यहां उसकी तबीयत खराब हो गई। इस कारण परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए खानपुर के अस्पताल में रेफर कर दिया। खानपुर ले जाते समय रास्ते में मनीष ने दम तोड़ दिया। उसकी मौत के चलते परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। उनका आरोप है कि रक्तदान के दौरान भी मनीष को चक्कर आए, लेकिन डॉक्टरों ने लापरवाही बरती। अब इस मामले की जांच की जाए व लापरवाही बरतने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसी मांग को लेकर वह शाम को अस्पताल के बाहर सड़क पर शव रखकर धरने पर बैठ गए। देर शाम तक प्रदर्शन जारी रहा।

विजयादशमी पर्व पर 51 फीट का रावण और 31-31 फीट के मेघनाद व कुंभकरण के पुतले का हुआ दहन

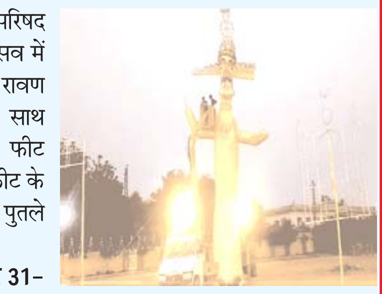

धौलपुर। धौलपुर नगर परिषद द्वारा मनाये गए दशहरा उत्सव में आज इस बार लंका सहित रावण को अपने परिवार के साथ जलाया गया। जिसमें 51 फीट का रावण और 31-31 फीट के मेघनाद व कुंभकरण के पुतले का दहन हुआ है।

51 फीट का रावण और 31-31 फीट के मेघनाद व कुंभकरण के पुतले का हुआ दहन

धौलपुर नगर परिषद द्वारा मनाये गए दशहरा उत्सव में आज इस बार लंका सहित रावण को अपने परिवार के साथ जलाया गया। जिसमें 51 फीट का रावण और 31-31 फीट के मेघनाद व कुंभकरण के पुतले का दहन हुआ है। विजयदशमी पर दशहरा मेले का आयोजन स्थानीय मेला ग्राउंड पर आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल और एसपी मनोज कुमार ने बुराई के प्रतीक रावण को मय परिवार के साथ आग लगाकर मेले का समापन किया। मेला ग्राउंड में लंका सहित 51 फीट का रावण और उसके कुटुम्बियों मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले 31-31 फीट के दहन किये गए। रावण दहन के समय आकर्षक रोशनी वाली आतिशबाजी हुई और पुतलों के जलाने पर कई आवाज के पटाखों की आवाज सुनाई दी।

लोगों ने आकर्षक आतिशबाजी का उठाया लुत्फ

रावण दहन के दौरान शहर के लोगों ने आकर्षक आतिशबाजी का लुत्फ उठाया। हालांकि विधानसभा चुनाव को लेकर जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। जिला कलेक्टर ने जब रावण का दहन किया तो आकर्षक रंग बिरंगी आतिशबाजी पूतले में से निकली। साथ ही मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतलों में से भी आकर्षक आतिशबाजी देखने को मिली।

PM मोदी से मिले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, प्रदेश के हालातों पर की चर्चा, ये खास तोहफा किया भेंट

जम्मू। एलजी मनोज सिन्हा ने मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ केंद्र शासित प्रदेश के हालातों पर चर्चा की। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ केंद्र शासित प्रदेश के हालातों पर चर्चा की। साथ ही पीएम मोदी को एलजी ने केसर के फूलों का गुच्छ भेंट किया। केसर को कश्मीरी भाषा में कोंग पोश कहा जाता है।

उत्तराखंड में दशहरे की धूम

रिमोट का बटन दबाते ही धू-धू कर जल उठा रावण

संवाददाता

देहरादून । देवभूमि उत्तराखंड में दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। पहाड़ से लेकर मैदान तक दशहरे की धूम रही। देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, उत्तरकाशी समेत विभिन्न स्थानों पर रावण का पुतला दहन किया गया। देहरादून के परेड ग्राउंड में सबसे ऊंचे 131 फीट के रावण का पुतला दहन किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रिमोट का बटन दबाकर रावण के पुतले का दहन किया। खास बात है कि इसमें इको फ्रेंडली पटाखों का प्रयोग किया गया है। जिससे ग्राउंड में लगी कीमती घास को भी नुकसान न हो। सीएम धामी ने प्रदेशवासियों को विजयदशमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयदशमी का पर्व अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने जीवन में अहंकार से मुक्त होकर सच्चाई के रास्ते पर चलें और प्रदेश व देश की सामाजिक समरसता के लिए मिलजुल कर कार्य करें। इस बार का रावण का पुतला बेहद खास बनाया गया है। इंदिरा नगर कॉलोनी ग्राउंड में 55 फीट ऊंचे रावण के पुतले को फूंका गया। शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल पटेलनगर में 51 फीट ऊंचे रावण के पुतला जलाया जलाया गया। रावण की कीमत 20 से 25 लाख रुपये बताई जा रही है। यह पुतला रिमोट वाले दस गोलों से जला। इस बार रावण का वजह 50 कुंतल था। इसमें 30 कुंतल सरिया व लकड़ी लगाई गई। रावण को बनाने में पांच हजार मीटर कपड़ा लगाया गया था। ऊपर कागज की जगह सनील के कपड़े का प्रयोग किया गया।

नवांशहर के एकसाईज विभाग और थाना औड़ पुलिस ने गांव बुर्ज टहिल दास के छप्पड़ से 144 नजायज शराब की बोतले बरामद की एकसाईज विभाग ने नजायज शराब वेचने वालो को डाली भाजड़ उकत आरोपी भी तलाश जारी

संवाददाता

नवांशहर। थाना औड़ के एएसआई सुरिंदर पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि वह उनकी अगुवाई वाली पुलिस पार्टी थाना औड़ से फाबड़ा की तरफ गशत कर रही थी कि इसे दौरान सिपाही सतनाम सिंह सहित सिपाही अशोक कुमार के पास एकसाईज विंग के एकसाईज इंसपैकटर मंजीत सिंह व साथी कर्मचारी मौके पर पहुंचे उन्होने बातचीत कर रहे थे तो एएसआई सुरिंदरपाल के पास गुप्त सूचना आई कि जगतार राम उर्फ जोती पुत्र सुर्जन राम वासी बुर्ज टाहिल दास थाना औड़ जो कि चंडीगढ़ से ससते दाम पर शराब लाकर इलाके में सपलाई कर रही है। आज भी जगतार राम उर्फ जोती भारी मात्रा में शराब लेकर बेचने के लिए गांव बुर्ज टहिल दास में छप्पड़ के किनारे दो थेलो जिसमें शराब बेचने के लिए खड़ा है। यदि अभी रेड की जाए तो भारी मात्रा में शराब सहित काबू किया जा सकता है । सूचना भरोसेयोग होने पर जब वहा पर रेड की गई तो जगतार राम उर्फ जोती और थैलों में शराब बरामद हुई। जिसके साढे नौ पेटिया कुल 114 बोतला शराब मार्का 999 पावर स्टार फाईन विसकी फार सेल चंडीगढ़ बरामद हुई। जिस तहत धारा 61-1-14 एकसाईज एकट दे तहत मामला दर्ज करके अगली कारवाई शुरु कर दी। कथित आरोपी कि गिरफतारी अभी बाकी है।

सोलन जिले में डेंगू से पहली मौत, 60 वर्षीय व्यक्ति ने तोड़ा दम

एजेंसी

शिमला (सोलन)। प्रदेश के जिला सोलन में डेंगू से पहली मौत हुई है। ऊपरी निहली डांग के 60 वर्षीय एक व्यक्ति ने डेंगू से दम तोड़ दिया। हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन में डेंगू से पहली मौत हुई है। ऊपरी निहली डांग के 60 वर्षीय एक व्यक्ति ने डेंगू से दम तोड़ दिया। बीबीएन में अभी तक बीबीएम में डेंगू के 450 से ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं। सतविंद्र सिंह ने बताया कि उसके पिता इंद्रजीत सिंह का डेंगू के बाद बद्दी के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। उनके प्लेटलेट्स भी 25,000 तक पहुंच गए थे। हालांकि एक-दो दिन से प्लेटलेट्स रिकवर होने लगे, जिसे देखकर अस्पताल प्रबंधकों ने उसे घर भेज दिया। बीती रात उनके सीने में दर्द हुआ, जिससे उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो गई। उन्होंने 108 एंबुलेंस बुलाई, लेकिन एंबुलेंस काफी देरी से आई, जिससे उसके पिता की हालत खराब हो गई। पीजीआई ले जाते समय वह रास्ते में अचेत हो गए तो वह उन्हें बद्दी अस्पताल ही ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उधर, खंड चिकित्सा अधिकारी नालागढ़ डॉ. मुक्ता रस्तोगी ने बताया कि मरीज को देर रात बद्दी अस्पताल लाया गया था, मगर उससे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। मौत डेंगू से हुई है, इसकी जानकारी नहीं है, क्योंकि वह निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे थे। हालांकि अब इसकी जांच की जाएगी।

cm बोले- रामराज्य की नींव हैं सरकार की लोकहित की योजनाएं, 500 वर्ष के बाद मंदिर में विराजेंगे रामलला

गोरखपुर। सीएम योगी ने सभी लोगों को विजयदशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयदशमी और दीपावली के आयोजन इस वर्ष के लिए विशेष हैं। इस वर्ष में 500 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद भगवान राम अयोध्या धाम में अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री श्री रामलीला समिति आर्यनगर की ओर से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, डबल इंजन सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं रामराज्य की बुनियाद हैं। 500 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद जब प्रभु श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं, उससे पहले उनके राज्य के आदर्शों को अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में करोड़ों गरीबों के लिए घर, शौचालय, अन्न, स्वास्थ्य सुरक्षा समेत अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर दी गई हैं। सीएम योगी ने सभी लोगों को विजयदशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयदशमी और दीपावली के आयोजन इस वर्ष के लिए विशेष हैं। इस वर्ष में 500 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद भगवान राम अयोध्या धाम में अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। यह पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि उसे यह दिव्य दृश्य देखने को मिलने जा रहा है। श्रीराम मंदिर के लिए लाखों लोग बलिदान हो गए। शांतिपूर्ण और हिंसक आंदोलन हुए। एक दौर तक न्याय का स्थान नहीं दिखता था, पर लोगों की सकारात्मकता के परिणाम से जब केंद्र व प्रदेश में एक विचारधारा की डबल इंजन सरकार बनी तो सौहार्दपूर्ण तरीके से भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम के मंदिर में विराजमान होने से पूर्व देश में पीएम मोदी ने चार करोड़ गरीबों के आवास बनवाकर, 12 करोड़ शौचालय बनवाकर, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देकर, गरीबों को पांच लाख की स्वास्थ्य सुरक्षा देकर तथा आपदा में पांच लाख रुपये देने की व्यवस्था कर रामराज्य के आदर्शों को आगे बढ़ाया है।

PM बोले- अगली रामनवमी रामलला के मंदिर में मनेगी, शताब्दियों बाद मंदिर में विराजेंगे श्रीराम

संवाददाता

नई दिल्ली। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं समस्त भारतवासियों को शक्ति उपासना पर्व नवरात्रि और विजय पर्व विजयादशमी की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। दशहरा के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारका में आयोजित श्री रामलीला सोसायटी की 11वें भव्य रामलीला में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। यहां उन्होंने राम-सीता और लक्ष्मण की आरती की। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं समस्त भारतवासियों को शक्ति उपासना पर्व नवरात्रि और विजय पर्व विजयादशमी की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। विजयादशमी का ये पर्व, अन्याय पर न्याय की विजय, अहंकार पर विनम्रता की विजय और आवेश पर धैर्य की विजय का पर्व है।

हमें सौभाग्य मिला है कि हम भगवान राम का भव्यतम मंदिर बनता देख पा रहे- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आज हमें सौभाग्य मिला है कि हम भगवान राम का भव्यतम मंदिर बनता देख पा रहे हैं। अयोध्या की अगली रामनवमी पर रामलला के मंदिर में गूंजा हर स्वर, पूरे विश्व को हर्षित करने वाला होगा। राम मंदिर में भगवान राम के विराजने को बस कुछ महीने बचे हैं। हम गीता का ज्ञान भी जानते हैं और आईएनएस विक्रांत और तेजस का निर्माण भी जानते हैं। हम श्रीराम की मर्यादा भी जानते हैं और अपनी सीमाओं की रक्षा करना भी जानते हैं। हम शक्ति पूजा का संकल्प भी जानते हैं और कोरोना में सर्वे सन्तु निरामया के मंत्र को भी जी करके दिखाते हैं। इस बार हम विजयादशमी तब मना रहे हैं, जब चंद्रमा पर हमारी विजय को दो महीने पूरे हुए हैं। विजयादशमी पर शस्त्र पूजा का भी विधान है। भारत की धरती पर शस्त्रों की पूजा किसी भूमि पर आधिपत्य नहीं, बल्कि उसकी रक्षा के लिए की जाती है।

आज रावण का दहन सिर्फ पुतले का दहन न हो: पीएम मोदी

हमें ध्यान रखना है कि आज रावण का दहन सिर्फ पुतले का दहन न हो। ये दहन हो हर उस विकृति का जिस कारण से समाज का आपसी सौहार्द बिगड़ता है। ये दहन हो उन शक्तियों का जो जातिवाद और क्षेत्रवाद के नाम पर मां भारती को बांटने का प्रयास करती हैं। ये दहन हो उन विचारों का जिनमें भारत का विकास नहीं स्वार्थ की सिद्धि निहित है।

हम समाज में बुराइयों और भेदभाव के अंत का संकल्प लें: पीएम मोदी

विजयादशमी का पर्व सिर्फ रावण पर राम की विजय का पर्व नहीं, राष्ट्र की हर बुराई पर राष्ट्रभक्ति की विजय का पर्व बनना चाहिए। हमें समाज में बुराइयों के, भेदभाव के अंत का संकल्प लेना चाहिए।

हमें भगवान राम के विचारों का भारत बनाना है।

विकसित भारत, जो आत्मनिर्भर हो। विकसित भारत, जो विश्व शांति का संदेश दे। विकसित भारत, जहां सबको अपने सपने पूरे करने का समान अधिकार हो। विकसित भारत, जहां लोगों को समृद्धि और संतुष्टि का एहसास हो।

वॉर्नर-मैक्सवेल के तूफान में उड़ा नीदरलैंड

ऑस्ट्रेलिया को मिली विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। पांच विश्व कप जीत चुकी कंगारू टीम ने यादगार प्रदर्शन किया। उसके लिए डेविड वॉर्नर और ग्लेन मैक्सवेल ने शतक लगाया। गेंदबाजी में एडम जम्पा ने चार विकेट अपने नाम किए।

ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप के 24वें मैच में नीदरलैंड को 309 रन से हराकर इतिहास रच दिया। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में पांच विश्व कप जीत चुकी कंगारू टीम ने यादगार प्रदर्शन किया। उसके लिए डेविड वॉर्नर और ग्लेन मैक्सवेल ने शतक लगाया। गेंदबाजी में एडम जम्पा ने चार विकेट अपने नाम किए। ऑस्ट्रेलिया को इस विश्व कप में तीसरी जीत हासिल हुई। उसके छह अंक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया का नेट रनरेट निगेटिव से पॉजिटिव हो गया। नीदरलैंड पर 309 रन की यह जीत विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी और ओवरऑल वनडे इतिहास की दूसरी बड़ी जीत है। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप में रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। उसने 2015 में अफगानिस्तान के खिलाफ पर्थ में 275 रन से जीत हासिल की थी। वहीं, ओवरऑल वनडे में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भारत के नाम है। उसने 2023 में श्रीलंका को तिरुवनंतपुरम में 317 रन से हराया था।

नीदरलैंड के नाम दर्ज हुए शर्मनाक रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 399 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड की टीम 21 ओवर में 90 रन पर सिमट गई। नीदरलैंड ने विश्व कप के मौजूदा संस्करण का सबसे न्यूनतम स्कोर बनाया। उसने अफगानिस्तान को इस शर्मनाक रिकॉर्ड के मामले में पीछे छोड़ा। अफगानिस्तान ने चेन्नई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 139 रन बनाए थे।

जम्पा ने चटकाए चार विकेट

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए नीदरलैंड को 21 ओवर में समेट दिया। उसके लिए स्पिनर एडम जम्पा ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। मिचेल मार्श को दो सफलता मिली। मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने एक-एक विकेट लिया।

नीदरलैंड के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए

नीदरलैंड के पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। विक्रमजीत सिंह ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। तेजा निदामानुरू ने 14, स्कॉट एडवर्ड्स ने नाबाद 12, साइब्रैंड ने 11 और कॉलिन एकरमैन ने 10 रन बनाए। मैक्स ओडाड छह, बास डी लीडे चार और आर्यन दत्त एक रन बनाकर आउट हुए। लोगन वान बीक, रूलोफ वान डेर मर्वे और पॉल वान मीकेरेन खाता भी नहीं खोल पाए।

वॉर्नर और मैक्सवेल का रिकॉर्ड तोड़ शतक

कंगारू टीम के लिए डेविड वॉर्नर और ग्लेन मैक्सवेल ने रिकॉर्ड शतक लगाया। वॉर्नर ने छठा शतक लगाते हुए पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए। वहीं, मैक्सवेल ने आखिरी ओवरों में तूफानी पारी खेली और 40 गेंद पर ही शतक पूरा कर लिया। वह सबसे कम गेंदों पर विश्व कप में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। वॉर्नर ने 93 गेंद पर 104 और मैक्सवेल ने 44 गेंद पर 106 रन बनाए।

स्मिथ और लाबुशेन का अर्धशतक

वॉर्नर और मैक्सवेल के अलावा स्टीव स्मिथ ने 71 और मार्नश लाबुशेन ने 62 रन बनाए। जोश इंगलिश ने 14 और कप्तान पैट कमिंस ने नाबाद 12 रन बनाए। मिचेल मार्श नौ और कैमरन ग्रीन आठ रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क खाता नहीं खोल पाए। एडन जम्पा ने एक रन बनाए। नीदरलैंड के लिए लोगन वान बीक ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। बास डी लीडे को दो सफलता मिली। आर्यन दत्त ने एक विकेट अपने नाम किया।

घर पर बनाएं टेस्टी कुट्टू का डोसा

जल्द ही नवरात्रि का उत्सव आने वाला है। ऐसे में माता के भक्त मां को प्रसन्न रखने के लिए पूरे 9 दिनों तक उपवास रखते हैं। नवरात्रि व्रत में खाने के विकल्प बहुत कम होते है। लोग इस समय ज्यादातर आलू और कुट्टू का सेवन करते हैं। अगर आप भी कुट्टू की पूरी या पकौड़ी खाते-खाते बोर हो गए हैं तो इस बार अपनी किचन में ट्राई करें टेस्टी कुट्टू का डोसा। आइए जानते हैं कैसे बनाई जाती हैं नवरात्रि व्रत की ये स्वादिष्ट रेसिपी। आलू की फीलिंग बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करके उसमें आलू को डालकर मैश करें। अब इसके सभी मसाले डालकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को हल्का ब्राउन होने तक कुछ मिनट अच्छे से भूनने के बाद एक तरफ रख दें। अब डोसा बनाने के लिए एक बाउल में अरबी को मैश करके आटा, पानी और सेंधा नमक डालकर अच्छे से मिला लें। अब इसमें अजवाइन, लाल मिर्च पाउडर, अदरक और हरी मिर्च डालकर एक बार दोबारा मिला लें। इस मिश्रण में पानी डालकर उसका एक स्मूद बैटर बना लें। अब एक फ्लैट पैन लेकर उसपर घी लगाएं। कड़छी की मदद से डोसे के बैटर को पैन पर फैला लें। कुछ देर डोसे को पकाने के बाद उसके किनारों पर थोड़ा सा घी डालकर और पका लें। ऐसा करने से डोसा क्रिस्पी बनेगा। अब डोसे को दूसरी तरफ से भी पलटकर सिकने दें। आप अब डोसे के बीच में फीलिंग रखकर उसे फोल्ड कर दें। आप इस व्रत के डोसे को पुदीने या नारियल की चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व कर सकते हैं।

मोटापा कम करने के लिए अपनाएं बेहतरीन टिप्स

मौसम बदल रहा है और दिन सुहाना हो रहा है। ज़्यादातर लोगों के लिए सर्दियों का मौसम ढ़ेर सारे मोटापे एवं वज़न बढ़ाने वाले भोजन इत्यादि से भरा हुआ था। और यह भी हमें तभी महसूस होता है जब हमारे कपड़ों की परतें कम होने लगती हैं। और इस बात में भी कोई दो राय नहीं की सर्दियों में खूब खाने से और कम कसरत करने से हमें शर्मिंदगी भी महसूस होती है। अनजाने में एवं स्वाद के चक्कर में खाए गए कई भोजन इत्यादि आपको गंभीर रूप से बीमार और अस्वस्थ कर सकते हैं। इसीलिए यहां हम आपको एक्सपर्ट सर्दियों के बाद डीटॉक्सीफिकेशन की सलाह देते हैं। वैसे तो डीटॉक्सीफिकेशन आप हर बदलते मौसम में ले सकते हैं, परन्तु

प्राकृतिक खूबसूरती का

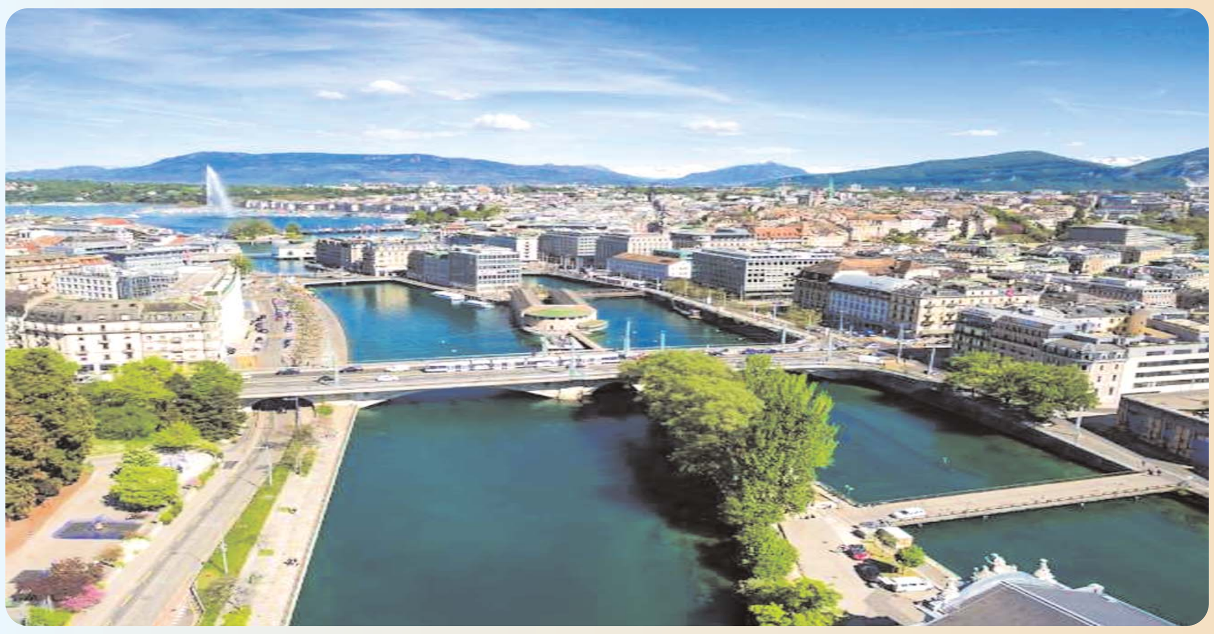

ईश्वर ने पहले मॉरीशस बनाया और फिर उसमें से स्वर्ग की रचना की। विमान मॉरीशस की जमीन को छुए उससे पहले ही आपको मार्क ट्वेन के इस बयान की हकीकत सामने आ जाती है कि क्यों उन्होंने यह बयान दिया होगा। हरे-भरे लैंडस्केप, गर्व से माथा उठाये खड़ी पहाड़ियां, पहाड़ियों के बीच की दरारों से टकराती हुई समुद्री लहरें, सफेद चमकते हुए बालू वाले तट और लहलहाते हुए नीले रंग के पानी का एक खूबसूरत कंट्रास्ट। समुद्र के किनारे खड़े होकर आप प्राकृतिक सौंदर्य की पराकाष्ठ के दर्शन कर सकते हैं। एयरपोर्ट से पोर्ट लुई की तरफ जाते हुए भारत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तरह दूर-दूर तक फैले हुए गन्ने के विस्तृत खेत, महाराष्ट्र के खेतों की तरह काली मिट्टी के खेत, कोंकण और केरल के बरसाती गांवों जैसे गांव के परिदृश्य, बिहार के आरा के किसी गांव की तरह भोजपुरी बोलते लोग। यह सब देखकर लग रहा था कि मानो इसीलिए मॉरीशस के बारे में कहा जाता है कि भारत से दूर एक और भारत है। लघु भारत, अपना भारत। जहां पंचवटी भी है और चित्रकूट भी, गंगासागर भी है और इन्हें मानने वाले खुशमिजाज लोग भी। भारत के गिरमिटियों की कहानियां पढ़ते-सुनते यही पाया कि कभी भारत के अभावग्रस्त लोगों को बहकाया गया था कि चलो मॉरीशस.. ऐसा जादुई देश, जहां जिस भी पत्थर को पलटोगे, उसके नीचे सोना मिलेगा। भला ऐसा कहीं संभव है कि पत्थर के नीचे सोना छिपा हुआ हो, लेकिन इसे उनके कठिन परिश्रम का प्रतिफल ही कहेंगे कि जिस सपने को दिखाकर, ठगकर उन्हें यहां लाया गया, उन्होंने उसी सपने को साकार कर दिखाया। सबसे पहले तो उन्होंने आजादी की जंग छेड़ कर मॉरीशस को अपने नाम किया और फिर मॉरीशस को अपने खून-पसीने की कमाई से विश्व मानचित्र पर स्थापित कर दिया। हम पोर्ट लुई से आगे समुद्र तट पर बने एक रिसॉर्ट में रुके। दो मित्र साथ थे। रास्ते भर मॉरीशस के इतिहास, समाज, अर्थव्यवस्था पर बात होती रही, लेकिन मन बार-बार खिड़की के बाहर बरबस जा टिकता था। दूर पहाड़ियों से खेलते हुए बादल, साफ-सुथरी सड़कें, हरियाली। होटल खूबसूरत था, एक ड्रीम लैंड की तरह। जहां के एक छोर से आप अनंत को देख सकते हैं एक नीला अनंत, दूर कहीं जैसे क्षितिज और समंदर की किसी ने आपस में तुरप दिया हो, बस सूरज के आने-जाने को एक छोटी-सी पगडंडी छोड़ दी हो.. मैं सामने सूरज को समंदर में गिरते देख रहा हूं। अगली सुबह मॉरीशस घूमने निकले, तो सबसे पहले अप्रवासी घाट पहुंचे। सामने हैं अप्रवासी घाट की वे सीढ़ियां, जिन पर चढ़कर एग्रीमेंट वाले वे मजदूर मॉरीशस की किस्मत बदलने के लिए उतरे थे। आज यूनेस्को ने उस स्थान को विर्श्व-धरोहर घोषित कर दिया है। अप्रवासी घाट देखते-देखते मन गर्व से भर गया। परिश्रम के दुखों और अभावों पर जीत का शायद ही इससे बेहतर उदाहरण आपको कहीं और देखने को मिले। मैं यही सोच रहा था कि कैसे आए होंगे, कैसे उतरे होंगे, कैसे खुद को संभाला होगा, कैसे मन को मनाया होगा, कैसे धीर धरा होगा, कैसे साथियों को सहारा दिया होगा? जबरदस्ती, प्रलोभन और धोखे का प्रतिफल- एक निर्जन टापू। अपनी जमीन, अपने आसमान से इतना दूर, समंदर के बीच में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं का संदेशा अपनों तक भेजना हो, तो शायद यक्ष का बादल भी थक जाए। और फिर शुरू हुई होगी कहानी निर्माण की। वे सीढ़ियां अभी तक सलामत हैं, जिनसे वे पहली बार इस टापू पर चढ़े थे। सालों पहले भारत से लाए गए पूर्वजों की उस अथक मेहनत को प्रणाम है, जिन्होंने इस निर्जन टापू को इतना खूबसूरत बना दिया कि दुनिया के हर कोने से सैलानी यहां घूमते दिखते हैं। परिश्रम व अनुशासन यहां के नागरिकों को विरासत में मिला है। हमेशा मुस्कुराते रहने वाले मेहनतकश लोग। राष्ट्रीय गर्व ओर अस्मिता पर स्वाभिमान। भारत से जुड़े होने का गर्व भी और स्वायत्त तंत्र के निर्माण का स्वाभिमान भी। मॉरीशस के किसी गांव में आपको विशुद्ध भारतीय परिधान साड़ी पहनकर झूमर, सोहर, कजरी या रतवाई गाती हुई महिलाएं दिखें, तो आश्चर्यचकित मत होइए। मॉरीशस के एक प्रसिद्ध लेखक का मानना है कि ये महिलायें ही हैं, जिन्होंने हमारे संस्कारों, परंपराओं, भाषाओं और हमारे भीतर भारत को जिंदा रखा है। हर घर के बाहर तुलसी के चौरे पर जलने वाला दिया हमें हमारे अतीत से जोड़े रखता है। मॉरीशस के उत्तरी भाग में स्थित महेश्वरनाथ मंदिर ट्रायोलेट शिवाला के नाम से भी चर्चित है। वास्तव में यह मंदिर दो सदियों से मॉरीशस में हिंदू पहचान का प्रतीक है। पूर्वी मॉरीशस में एक मनोरम द्वीप पर अत्यंत दर्शनीय सागर शिव मंदिर है। चारों तरफ से आती समुद्री लहरों और समुद्री हवाओं के बीच फहराता हुआ सागर शिव मंदिर का ध्वज मानो उद्घोष करता है कि मॉरीशस में भारतीयता की कीर्ति पताका हमेशा ऊंची रहेगी। शाम को हम गंगा तालाब गए, जहां एक और दर्शनीय स्थल है। 108 फीट ऊंची शिव प्रतिमा, पवित्र ताल और ताल के चारों ओर विभिन्न देवी-देवताओं के स्थान। आध्यात्म और श्रद्धा का केंद्र, जहां आंखें मूंदकर बैठने का मन करता है। वातावरण ऐसा कि स्वयं प्रार्थना में हाथ जुड़ जाएं। सात रंगों की मिट्टी का वरदान भी ईर्श्वर ने मॉरीशस को ही दिया है, जिसे कई जगहों पर देखा जा सकता है। मॉरीशस का पूर्वी हिस्सा अधिक हरा-भरा लेकिन अल्पविकसित है, जिसकी वजह से यहां पर आपको प्रकृति पूरे रंग में दिखती है। पालमार और बैलमार के सफेद समुद्र तट बहुत ही सुरम्य हैं। ग्रैंड ग्रेब्य और ग्रैंड बे इस ओर के प्रमुख बीच हैं। दक्षिण पूर्व अपने ऊंचे चट्टानों के लिए मशहूर है, जहां से द्वीप के दक्षिणी सिरे की ओर जाने पर आपको खूबसूरत नजारे दिखते हैं। पश्चिमी तट अद्भुत सूर्यास्त और गहरे जल में मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है। सर्फरों को टेमेरिन जाना चाहिए, जो मॉरीशस का सर्फिंग सेंटर है। मॉरीशस यात्रा का एक विशेष अनुभव हुआ, जब हम ग्रिस ग्रिस नाम के एक खूबसूरत बीच पर पहुंचे। आमतौर पर मॉरीशस का समुद्र शांत है, नीला है, लेकिन ग्रिस-ग्रिस का समुद्र बहुत बेचैन, तेज और डरावना भी है। आमतौर पर समुद्र का रंग काला नहीं दिखता, पर यहां दिखता है। यह स्थान फिर भी मनोरम है। दर्शनीय भी। हम वापस लौट रहे हैं पर मन से मॉरीशस नहीं छूटता। आखों में नीला समंदर लिए हम वापस आ रहे हैं..उस भारत से दूर इस भारत।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार् समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।